गुरुज्ञान

जीवन में ज्यादा रिश्ते जरूरी नही हैं, पर जो रिश्ते हों उनमें जीवन होना जरूरी है !!

www.tripuritimes.com

त्रिपुरी टाइम्स

tripuritimes@gmail.com

वर्ष 10 अंक 64

जबलपुर, बुधवार 2 अप्रैल 2025

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

07

झारखंड में भीषण रेल हादसा, दो मालगाड़ियों की हुई टक्कर, 2 लोको पायलट की मौत, कई घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड में मंगलवार को बड़े रेल हादसे की खबर सामने आई है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, झारखंड के साहिबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर हो गई है। एक खाली मालगाड़ी को कोयले से लदी मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत की खबर सामने आई है। आइए जानते हैं इस हादसे के बारे में विस्तार से।

कैसे हुआ हादसा?

दरअसल, ये पूरी घटना साहिबगंज जिले के बरहेट थाना क्षेत्र पर स्तिथ फरक्का-ललमटिया एमजीआर रेलवे लाइन पर हुई है। जानकारी के मुताबिक, फरक्का की ओर से आ रही खाली मालगाड़ी बरहेट एमटी पर खड़ी थी जब कि ललमटिया की ओर से जा रही कोयला लदे थ्रूपास मालगाड़ी ने इसे जोरदार टक्कर मार दिया। यह घटना अहले सुबह 3: 30 बजे की बताई जा रही है।

दो लोको पायलटों की दर्दनाक मौत

झारखंड के साहिबगंज में हुए इस भीषण रेल हादसे में दो लोको पायलट समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं, इस हादसे में चार से पांच रेलकर्मी घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, सभी घायलों का इलाज फिलहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में चल रहा है। घटना के बाद प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुँच गई है और एक-एक कड़ी को जोड़कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, झारखंड के साहिबगंज में दो मालगाड़ियों के बीच टक्कर हुई जिसके बाद मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई। ये मालगाड़ी कोयला ले जा रही थी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के लोको पायलट समेत तीन लोगों की मौत हुई है। सीआईएसएफ के जवान भी घायल बताए जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा, 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में गैस सिलेंडर फटने से सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। इसकी चपेट में आने से 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हादसा पाथर प्रतिमा इलाके में हुआ। मृतकों में 4 बच्चे, 2 महिलाएं और एक आदमी शामिल है। एक महिला भी घायल हुई है। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि धमाके की तेज आवाज सुनाई दी थी, जिसके बाद आग लग गई। सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि पाथर प्रतिमा ब्लॉक के धोलाघाट गांव में रात करीब 9 बजे विस्फोट हुआ। सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया, 'सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। घायल महिला को घर से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को संदेह है कि घर में 2 गैस सिलेंडर थे और अंदर रखे पटाखों में आग लगने के बाद आग फैल गई।'

दिल्ली में सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण आग लगने से 2 मौतें

वहीं, दिल्ली के मनोहर पार्क स्थित एक घर में एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव हो जाने के कारण भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आने से 2 नाबालिग भाई-बहनों की मौत हो गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने सोमवार को यह जानकारी दी। डीएफएस के अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार रात करीब 8 बजकर 20 मिनट पर मनोहर पार्क के डब्ल्यूजेड-7 इलाके में हुई। दमकल की 2 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। मौके पर पहुंची टीम ने पुष्टि की है कि आग एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव होने के कारण लगी थी। पुलिस ने बताया कि मृतक बच्चों की पहचान साक्षी और उसके भाई आकाश के रूप में हुई है।

नगदी का मामला: तीन जजों की समिति, सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। नकदी बरामदगी विवाद में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई 3 सदस्यीय समिति सीबीआई जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट से सिफारिश करेगी। उम्मीद जताई है ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के चेयरमैन और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ आदीश सी अग्रवाला ने जस्टिस यशवंत वर्मा के आउटहाउस में कथित रूप से जलाए गए पैसों की हालिया घटना को लेकर आदीश ने सोमवार को एक बयान जारी किया और कुछ अहम बिंदुओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कमेटी इस मामले में लगाए गए पैसों के स्रोत का पता लगाने, तथा ये पैसे जस्टिस वर्मा के आउटहाउस में कैसे पहुंचे, के बारे में पक्की जांच करने में सक्षम नहीं है, और कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती है। इसके अलावा, कमेटी को धारा 180 बीएनएसएस और धारा 183 बीएनएसएस के तहत गवाहों के बयान दर्ज करने का भी अधिकार नहीं है, जिससे इस घटना की व्यापक जांच करने की उसकी क्षमता सीमित हो जाती है।

अंतरिक्ष से कैसा दिखता है भारत? सुनीता विलियम्स का ये जवाब दिल छू लेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल की नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स यूं तो पहले भी दो बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जा चुकी हैं लेकिन शायद ही उन्होंने यह कल्पना की होगी कि तीसरी बार अंतरिक्ष में जाने के बाद उन्हें वापसी के लिए लंबा इंतजार करना होगा और यह घटना इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी। नासा के अंतरिक्षयात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स 9 महीने अंतरिक्ष में रहने के बाद हाल ही में पृथ्वी पर लौट आए। अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है? जब ये प्रश्न 1984 में, भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा से पूछा गया तो इसके जवाब में उन्होंने कहा था- "मैं बगैर किसी झिझक के कह सकता हूं कि सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा।" अब चार दशक बाद हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 286 दिन गुजारने के बाद घर लौटी सुनीता विलियम्स से भी ऐसा ही सवाल पूछा गया।

अद्भुत है भारत- सुनीता विलियम्स

सुनीता से पूछा गया कि भारत अंतरिक्ष से कैसा दिखता है, तो उन्होंने जवाब दिया, "अद्भुत, बिल्कुल अद्भुत।" उन्होंने कहा, "भारत अद्भुत है। जब भी हम हिमालय के ऊपर से गुजरे, बुच (बुच विल्मोर उनके साथी अंतरिक्ष यात्री हैं) को अविश्वसनीय तस्वीरें मिलीं, यह बिल्कुल आश्चर्यजनक है। ऐसा लगता था जैसे कोई लहर उठी हो और भारत में आकर बह रही हो। गुजरात और मुंबई में तो धरती के रंग और भी निखरकर दिखाई दे रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो कोई कह

रहा हो- ह्यलो, आ गया।" विलियम्स ने बताया, "मैंने पहले इसका जिक्र इस लहर की तरह किया है जो स्पष्ट रूप से तब हुई जब प्लेटें टकराईं और फिर, जैसे ही यह भारत में बहती है, यह कई-कई रंगों में होती है। मुझे लगता है कि जब आप पूर्व से गुजरात और मुंबई में आते हैं, और (आप देखते हैं) मछली पकड़ने का बेड़ा जो वहां तट से दूर है, यह आपको थोड़ा सा संकेत देता है, यहां हम भारत के ऊपर हैं। पूरे भारत में, मुझे लगता है कि मुझे रोशनी का नेटवर्क नजर आ रहा था और बड़े शहरों से छोटे शहरों तक जा रहा था। रात को देखना अविश्वसनीय था। दिन के दौरान निश्चित रूप से हिमालय ध्यान खींचता था।"

भारत को एक महान देश बताया

इस दौरान सुनीता विलियम्स ने भारत को एक महान देश और एक शानदार लोकतंत्र बताया। अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की प्रगति की सराहना की और इसके प्रयासों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की। बता दें कि भारत अपने महत्वाकांक्षी गगनयान कार्यक्रम के साथ मानव अंतरिक्ष उड़ान में प्रगति कर रहा है, जो 2026 तक अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजने के लिए तैयार है।

धामी ने की चार मैदानी जनपदों के विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए जनपद हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल और उधम सिंह नगर में स्थित विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन जन भावना और भारतीय संस्कृति व विरासत के अनुरूप किया जा रहा है। जिससे लोग भारतीय संस्कृति और इसके संरक्षण में योगदान देने वाले महापुरुषों से प्रेरणा ले सके। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार, हरिद्वार जनपद में ग्राम औरंगजेबपुर का नाम अब शिवाजी नगर, गाजीवाली का आर्य नगर, चांदपुर का ज्योतिबा फुले नगर, मोहम्मदपुर जट का मोहनपुर जट, खानपुर कुर्सली का अंबेडकर नगर, इंदरीशपुर का नंदपुर, खानपुर का श्री कृष्णपुर, अकबरपुर फाजलपुर का नाम विजयनगर किया जाना है। जबकि देहरादून जनपद में मियांवाला का रामजी वाला, पीरवाला का केसरी नगर, चांदपुर खुर्द का पृथ्वीराज नगर, अब्दुल्ला नगर का नाम दक्ष नगर किया जाएगा। श्री धामी की घोषणा के अनुसार, जनपद नैनीताल में नवाबी रोड़ का नाम अटल मार्ग, पनचक्की से आईटीआई मार्ग का नाम गुरु गोलबलकर मार्ग किया जाएगा। उधमसिंह नगर जनपद में नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का नाम बदलकर कौशल्या पुरी किये जाने की घोषणा की गई है।

आपस में ही भिड़ गए आतंकी संगठन जैश और लश्कर! पाकिस्तान की बढ़ेगी मुसीबत, भारत को होगा फायदा?

नई दिल्ली, एजेंसी। एक नई खुफिया रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिसके मुताबिक पाकिस्तान के दो प्रमुख आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के बीच सब ठीक नहीं चल रहा है और दोनों आतंकी संगठनों के बीच युद्ध शुरू हो गया है। दरअसल, इन दोनों के बीच पिछले कई दिनों से मतभेद बढ़ने की खबरें मिल रही हैं। दोनों आतंकी संगठनों के बीच बढ़ते मतभेदों ने पाकिस्तान के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के बीच हाल के समय में बढ़ती फूट ने इन दोनों संगठनों को एक-दूसरे से अलग कर दिया है और दोनों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी के मुताबिक, दोनों आतंकी संगठनों के बीच उपजे मतभेद विचारधाराओं और रणनीतिक लक्ष्यों को लेकर हैं। ऐसा इसलिए कि जैश-ए-मोहम्मद देवबंदी संप्रदाय का अनुसरण करता है, जबकि लश्कर-ए-तैयबा अहल-ए-हदीस विचारधारा से जुड़ा हुआ है। दोनों संगठनों के बीच विचारधाराओं का अंतर है और इसी वजह से दोनों एक साथ काम करने में नाकाम रहे हैं। पाकिस्तान की सेना इन दोनों आतंकी संगठनों के बीच पड़ी फूट को सुलझाने में असफल रही है। बता दें

कि सेना ही इन दोनों समूहों को नियंत्रित करने की कोशिश करती रहती है। भारत के लिए ये दोनों संगठन परेशानी खड़ी करते रहते हैं। जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य अब भारत में, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में एक्टिव हो रहे हैं, जहां वे भारतीय सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं और घुसपैठ की कोशिशें कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में भारत में पकड़े गए आतंकवादियों में से अधिकांश जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे और उनके पास से पाकिस्तान और चीन के बने हथियार मिले हैं। खुफिया अधिकारियों का मानना है कि इन दोनों संगठनों के बीच बढ़ते मतभेद का ही परिणाम है कि भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफिज सईद के रिश्तेदार, कारी अब्दु रहमान की कराची में हत्या कर दी गई। इस आंतरिक विवाद का फायदा भारत की सुरक्षा एजेंसियों को मिल सकता है क्योंकि दोनों के बीच बढ़ते विवाद और एक-दूसरे के खिलाफ जानकारी लीक होने से भारतीय सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाने में मदद मिल रही है।

झारखंड में भीषण रेल हादसा, दो मालगाड़ियों की हुई टक्कर, 2 लोको पायलट की मौत, कई घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड में मंगलवार को बड़े रेल हादसे की खबर सामने आई है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, झारखंड के साहिबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर हो गई है। एक खाली मालगाड़ी को कोयले से लदी मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत की खबर सामने आई है। आइए जानते हैं इस हादसे के बारे में विस्तार से। दरअसल, ये पूरी घटना साहिबगंज जिले के बरहेट थाना क्षेत्र पर स्तिथ फरक्का-ललमटिया एमजीआर रेलवे लाइन पर हुई है। जानकारी के मुताबिक, फरक्का की ओर से आ रही खाली मालगाड़ी बरहेट एमटी पर खड़ी थी जब कि ललमटिया की ओर से जा रही कोयला लदे थ्रूपास मालगाड़ी ने इसे जोरदार टक्कर मार दिया। यह घटना अहले सुबह 3: 30 बजे की बताई जा रही है।

दो लोको पायलटों की दर्दनाक मौत

झारखंड के साहिबगंज में हुए इस भीषण रेल हादसे में दो लोको पायलट समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं, इस हादसे में चार से पांच रेलकर्मी घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, सभी घायलों का इलाज फिलहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में चल रहा है। घटना के बाद प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुँच गई है और एक-एक कड़ी को जोड़कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, झारखंड के साहिबगंज में दो मालगाड़ियों के बीच टक्कर हुई जिसके बाद मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई। ये मालगाड़ी कोयला ले जा रही थी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के लोको पायलट समेत तीन लोगों की मौत हुई है। सीआईएसएफ के जवान भी घायल बताए जा रहे हैं।

बाघों को शांत रहने की जगह देना हमारी जिम्मेदारी: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि भले ही हमारे यहां टाइगर प्रोजेक्ट के जरिए बाघों का संरक्षण करने से उनकी आबादी बहुत अच्छी है फिर भी अवैध तरीके से उनका शिकार करने का प्रयास चिंताजनक है और इसे रोकना हमारी जिम्मेदारी है। श्री खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाघों के संरक्षण के लिए किए कार्यों को याद करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की दूर दृष्टि के कारण देश में आज बाघों की संख्या दुनिया में सर्वाधिक है और उन्हें सुरक्षित रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा "52 साल पहले, भारत ने श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में इस भव्य जानवर की रक्षा के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरूआत की थी। प्रोजेक्ट टाइगर ने बाघों, उनके आवासों और हमारे जंगलों की संपूर्ण जैव विविधता की रक्षा की।" श्री खरगे ने कहा "कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, श्रीमती इंदिरा गांधी ने कहा था, 'बाघ को अलग-थलग करके संरक्षित नहीं किया जा सकता। यह एक विशाल और जटिल जैव-क्षेत्र के शीर्ष पर है। मानव घुसपैठ, वाणिज्यिक वानिकी और मवेशियों के चरने से खतरे में पड़े इसके आवास को सबसे पहले अछूता बनाया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा "आज, भले ही दुनिया की 70 प्रतिशत बाघ आबादी भारत में है, फिर भी पिछले कुछ वर्षों में नए तंत्रों के माध्यम से अवैध शिकार की परेशान करने वाली रिपोर्टें आई हैं। हमारे बाघों को अंधाधुंध शिकार से बचाने और शांतिपूर्ण मानव-पशु सह-अस्तित्व के लिए परिस्थितियां स्थापित करने के लिए हर संभव कदम उठाने में हमारी जिम्मेदारी है।

2 मई से जौलीग्रांट से दो धामों के लिए उड़ान भरेगा हेलीकॉप्टर, 70% तक हुई बुकिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट से भी श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान भरेगा। ऐसे से में यूपी, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा आदि दूसरे राज्यों से आने वाली भक्तों का काफी समय बचेगा। इसके अलावा, भक्तजन आसानी से धामों में दर्शन भी कर सकेंगे। जौलीग्रांट से दो धामों बदरीनाथ और केदारनाथ के लिए बीस जून तक हेलीकॉप्टर बुकिंग 70 प्रतिशत तक हो चुकी है। रुद्राक्ष एविएशन ने 20 जून तक के लिए 70 प्रतिशत तक की बुकिंग पूरी कर ली है। मई को कंपनी का एमआई 17 डबल इंजन हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट हेलीपैड पहुंच जाएगा। अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को गंगोत्री, यमुनोत्री, 2 मई केदारनाथ और 4 मई को बदरीनाथ के कपाट खुलेंगे। दो मई से हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट से कुल 20 श्रद्धालुओं को लेकर उड़ान भरेगा। दो धामों की यात्रा कराने के बाद इतने ही श्रद्धालु वापस जौलीग्रांट पहुंचेंगे। कंपनी के शेड्यूल में दो धामों के एक दिन में दर्शन और रात्रि विश्राम की सुविधा भी रहेगी। रॉयल्टी बढ़ने से इस

बार प्रति श्रद्धालु किराए में मामूली बढ़ोतरी की गई है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार जौलीग्रांट से दोनों धामों की बुकिंग 20 जून तक के लिए ही की जा रही है। उसके बाद बरसात सीजन शुरू होने पर हेली सेवा पर ब्रेक लग जाएगा। प्रदेश सरकार की ओर से रॉयल्टी और लैंडिंग चार्ज में वृद्धि करने के बाद हेली कंपनी ने 2 धामों के लिए प्रति पैसेंजर किराये में कुछ बढ़ोतरी की है। इस बार रुद्राक्ष एविएशन के एमआई 17 से जौलीग्रांट से दो धामों की यात्रा में प्रति पैसेंजर किराया एक लाख 21 हजार (एक ही दिन में वापसी) और एक लाख 41 हजार रहेगा (रात्रि विश्राम के बाद वापसी)। पिछले साल यह किराया एक लाख 11 हजार और एक लाख 31 हजार प्रति पैसेंजर रखा गया था।

मोहन कैबिनेट में सुगम परिवहन सेवा को मंजूरी

शासकीय सेवकों को देय विभिन्न भत्तों के पुनरीक्षण का निर्णय

छतरपुर में माता बम्बरबैनी प्राचीन मंदिर स्थल पवित्र क्षेत्र घोषित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश में नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साधारण और ग्रामीण मार्गों में संगठित, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्री परिवहन बस सेवायें उपलब्ध कराने के लिए "मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा" प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई। प्रदेश में ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का ट्रैफिक एवं मार्ग सर्व तथा बसों की फ्रीक्वेन्सी निर्धारित करते हुये एक व्यवस्थित प्लानिंग अनुसार यात्री बसों को चलाया जायेगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में सुगम सुरक्षित एवं विनियमित यात्री परिवहन सुविधा, निजी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

यात्री परिवहन सेवा की प्रारम्भ करने के लिए 101 करोड 20 लाख रुपये की अशंपूजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के गठन की स्वीकृति भी दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन हेतु कंपनी एक्ट के तहत रढश२ गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कंपनियों को 7 संभागीय कंपनियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात कंपनियों के एकीकृत नियंत्रण के लिए राज्य स्तर पर कंपनीज एक्ट 2013 के तहत एक होल्डिंग कंपनी का गठन जायेगा। साथ ही त्रि-स्तरीय संरचना के तहत दायित्व निर्वहन और सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों में राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के 51 प्रतिशत शेयर बहुसंख्यक आधार पर निवेश करने एवं सात सहायक कंपनियों के बोर्ड और उसके आर्टीकल ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति, रीवा एवं ग्वालियर के लिए वर्तमान प्रचलित कंपनी को बंद करते हुए नवीन क्षेत्रीय कंपनी गठित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इन क्षेत्रीय सहायक कंपनियों का गठन, संबंधित संभागीय मुख्यालयों में स्थित सिटी बस ट्रांसपोर्ट की वर्तमान कंपनी में संशोधन कर, निर्मित करने की स्वीकृति दी गई। जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति के गठन की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

म.प्र. मोटरयान नियम 1994 के नियमों में आवश्यक संशोधन एवं वांछित प्रावधान करने की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई। इसके लिए प्रशासकीय विभाग द्वारा पृथक से विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी। सात सहायक कंपनियों की सुसंगत पूर्ववर्ती सिटी ट्रान्सपोर्ट कंपनियों द्वारा परिवहन संबंधी दायित्व के निर्वहन के लिए, जो चल-अचल संपति उपयोग में आ रही है, वे यथावत इन कपंनियों के आधिपत्य में रहेंगी। इसी प्रकार नगर-निगम, प्राधिकरण आदि द्वारा स्वयं की निधि से तैयार किये गये बस टर्मिनल, बस स्टैण्ड, बस स्टॉप आदि, होल्डिंग कंपनी के सामंजस्य से उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं यात्री सुविधा के लिए विकसित किए जाऐंगे।

वर्तमान सिटी बस कंपनियों के कार्यालय भवन का उपयोग नवीन सहायक कंपनियां यथावत करती रहेंगी। कार्यालय की ऐसी अचल सपंतियां, जो नगरीय निकाय निधि से अर्जित या निर्मित हैं, उनका मूल्यांकन पृथक से किया जाकर, राशि की प्रतिपूर्ति परिवहन विभाग ?द्वारा की जायेगी। नवीन गठित होने वाली राज्य स्तरीय कंपनी को नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा पुर्नघनत्वीकरण नीति 2022 के तहत पर्यवेक्षण एजेंसी के रूप में शामिल किया जायेगा।

"मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा" संचालन के लिए बस परिवहन अधोसंरचना के तहत पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) प्रक्रिया से उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मापदण्डों का यात्री एवं बस ऑपरेटर के लिए सुविधाओं का निर्माण किया जायेगा। बस संचालन एवं संधारण के लिए पीपीपी मोड़ प्रक्रिया से, निजी बस ऑपरेटर्स को, संगठित रूप से एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत, दक्ष आई.टी. प्लेटफार्म के माध्यम से विनियमित किया जायेगा। आई.टी. टेक्नालॉजी साल्यूशन की स्थापना करते हुए समस्त बस ऑपरेशन्स पर प्रभावी निगरानी रखी जायेगी। इसके तहत सेवा स्तर समझौता (सर्विस लेवल अग्रीमेंट) और प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (की परफॉर्मेंस इंडिकेटर) पर प्रभावी नियंत्रण रखा जायेगा, जिससे बस ऑपरेशन यात्रियों के लिए सुविधाजनक एवं सुरक्षित हो सके।

होल्डिंग कंपनी द्वारा एक कुशल आई.टी. प्लेटफार्म स्थापित करते हुये उस पर नोटीफाइड रुट अनुसार निजी बस ऑपरेटर्स को अनुबंधित किया जायेगा। होल्डिंग कंपनी मुख्यतः आई.टी. प्लेटफार्म के माध्यम से यात्रियों एवं अनुबंधित ऑपरेटर्स के लिए सुविधाजनक एप एवं एमआईएस/डैशबोर्ड आदि का संचालन करेगी तथा साथ ही राज्य एवं क्षेत्रीय सहायक कंपनी की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल एवं कमांड सेन्टर का संचालन सुनिश्चित करेगी। यात्रियों की लास्ट माईल कनेक्टिविटी के लिए मल्टी मोडल ट्रान्सपोर्ट उपलब्ध कराना, उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मापदण्डों की अधोसंरचना का निर्माण कराना एवं दैनिंदिनी बस संचालन पर प्रभावी नियंत्रण भी इस नवगठित कंपनी के प्रमुख दायित्वों में रहेगा।

होल्डिंग कंपनी के गठन उपरांत उक्त सात संभागीय मुख्यालयों की कंपनी में इस होल्डिंग कंपनी के शेयर बहुसंख्यक आधार पर लिये जाने पर यह सातों कंपनी इस राज्य स्तरीय कम्पनी की सहायक कम्पनी की श्रेणी में आ जायेगी। भोपाल, इन्दौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा संभागीय मुख्यालयों पर मौजूद इन कंपनियों के माध्यम से, उनके कार्यक्षेत्र में यात्री बस परिवहन सेवा को संचालित किया जायेगा। क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के दायित्व मूल रुप से राज्य स्तरीय कंपनी के अनुरुप रहेंगे तथा यह सहायक कंपनी दैनिंदिनी बस ऑपरेशन, राजस्व आय एवं होल्डिंग कंपनी के निदेर्शों के अधीन काम करेंगी।

जिला स्तरीय समिति के समन्वयक जिला कलेक्टर रहेंगे तथा इस समिति में जिले के सांसद, समस्त विधायकगण, महापौर / अध्यक्ष नगर पालिका, जिला पंचायत अध्यक्ष, आयुक्त नगर निगम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका/नगर परिषद, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, जिला परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण तथा कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा रह सकेंगे। समिति के दायित्व में संभाग स्तरीय यात्री परिवहन कंपनी द्वारा साधारण एवं ग्रामीण मार्गों पर किये जा रहे बसों के संचालन की प्रभावी मॉनिटरिंग, रूट की लंबाई अथवा रुट में संशोधन, स्टापेज, बस फ्रीक्वेंसी, आई.टी. प्लेट फार्म का सुचारु रुप से संचालन, साधारण एवं ग्रामीण मार्गों पर बस स्टॉप, चार्जिंग स्टेशन के निर्माण संबंधी सुझाव, के साथ जिले के बस ऑपरेटर्स के मध्य आवश्यक समन्वय का कार्य किया जायेगा।

शासकीय सेवकों को देय विभिन्न भत्तों के पुनरीक्षण का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के शासकीय सेवकों को वर्तमान में देय विभिन्न भत्तों का पुनरीक्षण की स्वीकृति दी गई। शासकीय सेवकों को वर्तमान में देय विभिन्न भत्तों के पुनरीक्षण के फलस्वरूप राज्य शासन पर अतिरिक्त वार्षिक व्ययभार लगभग 1500 करोड़ रुपए आयेगा। शासकीय सेवकों के लिये सातवें वेतनमान में देय मूल वेतन के आधार पर अ श्रेणी के नगरों के लिए 10%, इ श्रेणी के नगरों के लिए 7%, उ एवं ऊ श्रेणी के नगरों के लिए 5% के आधार पर गृह भाडा भत्ता प्रदान किया जायेगा।

दैनिक भत्ता, वाहन भत्ता, मील भत्ता, ठहरने की पात्रता, प्रदेश के बाहर यात्रा के दौरान स्थानीय परिवहन, स्थानांतरण पर घरेलू समान का परिवहन एवं स्थानांतरण अनुदान, स्थायी यात्रा भत्ता में मूल्य सूचकांक के आधार पर वृद्धि, की जायेगी। इसके साथ ही अतिरिक्त कार्य के लिए दोहरा भत्ता, राज्य शासन के पात्र चिकित्सकों और चिकित्सा शिक्षकों को दिये जाने वाला अव्यवसायिक भत्ता, सचिवालयीन भत्ता एवं मंत्रालयीन अधिकारियों के लिए विशेष भत्ता की स्वीकृति दी गयी है। इसके साथ ही शासकीय सेवकों की मृत्यु पर परिवार को देय अनुग्रह अनुदान वर्तमान में निर्धारित पात्रता का 2.57 गुणक के आधार पर अधिकतम 1 लाख 25 हजार रुपए तक दिया जाएगा।

मंत्रालय भवन में संचालित वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालनालय एवं राज्य सत्कार अधिकारी कार्यालय में पदस्थ शासकीय सेवकों को भी मंत्रालय के समकक्ष अधिकारियों के समतुल्य मंत्रालय भत्ता दिया जायेगा।

छतरपुर में माता बम्बरबैनी प्राचीन मंदिर स्थल पवित्र क्षेत्र घोषित

मंत्रि-परिषद द्वारा छतरपुर जिले के ग्राम लवकुशनगर में माता बम्बरबैनी प्राचीन स्थल मंदिर खसरा नं. 2157 रकवा 0.012 हेक्टेयर एवं खसरा नं 2158 रकवा 30.375 हेक्टेयर पहाड़ क्षेत्र को पवित्र क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया गया।

होल्डिंग कंपनी के दायित्व निम्नानुसार रहेंगे

(1) संभागवार सम्पूर्ण प्रदेश में साधारण मार्ग एवं ग्रामीण मार्ग में ओरिजिन एंड डेस्टिनेशन (ओ-डी) सर्वे एवं बस मार्ग का चिन्हांकन, ताकि अधिक से अधिक मार्ग ऑपरेटर्स के लिए वित्तीय रूप से साध्य हो सकें। साथ ही ऐसे मार्ग का चिन्हांकन जो वित्तीय रुप से ऑपरेटर के लिए साध्य न हों।

(2) मार्ग सर्वे के बाद बसों की फ्रिक्विंसी का निर्धारण करते हुये मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत यात्री परिवहन सेवा के लिए संभागवार स्कीम तैयार करने के लिए शासन को आवश्यक सहयोग करना।

(3) शासन द्वारा मार्गों पर निविदा प्रक्रिया से चयनित अनुबंधित ऑपरेटर्स को परमिट उपलब्ध करवाना ।

(4) एक कुशल आई.टी. प्लेटफार्म, राज्य स्तरीय उपक्रम के कार्यालय एवं क्षेत्रीय कंपनी के कार्यालयों में, कंट्रोल एवं कमांड सेंटर की स्थापना करते हुये एक कुशल आई. टी. प्लेटफार्म को संचालित करन्आा।

(5) आई.टी. टेक्नोलॉजी सॉल्युशन के माध्यम से यात्रियों के लिए ई-टिकिट, मोबाईल एप जिससे बसों की ट्रेकिंग, आक्युपेंसी तथा यात्रा प्लानिंग हो सकेगी। साथ ही यात्रियों के लिए कैशलेस, टेपऑन-टेपऑफ सुविधा, एप के माध्यम से पैसेंजर इन्फोर्मेशन सिस्टम आदि उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही अनुबंधित ऑपरेटर्स के लिए ऑपरेटर एप, वीडियो ऑडिट साफ्टवेयर (किसी भी समय बसों में यात्रियों की संख्या हेतु) फील्ड ऑडिट एप, एम.आई.एस./ डैशबोर्ड की सुविधा (रिर्पोट सहित), ऑपरेटर स्टॉफ का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके साथ ही राज्य एवं क्षेत्रीय सहायक कंपनी के लिए कंट्रोल एवं कमांड सेंटर सॉफ्टवेयर, बस/ऑटो/टैक्सी/मेट्रो के लिए एक बुकिंग प्लेटफार्म की सुविधा (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स प्लेटफार्म), ऑनलाइन यात्री बुकिंग सुविधा, यात्री हेल्प डेस्क, राज्य / संभाग के कार्यालयों में ऑपरेशन डेशबोर्ड, स्टाफ की ट्रेनिंग आदि उपलब्ध करायी जायेगी। इसके अलावा यात्रियों की लास्ट माईल कनेक्टिविटी एवं मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए ट्रेवल एप तैयार किया जाना, जिसमें बस, ऑटो, टेक्सी, ई-स्कूटर, मेट्रो आदि संकलित हो। पैसेंजर इन्फोर्मेशन सिस्टम की स्थापना भी बस स्टैण्ड, यात्री बसों पर रीयल टाइम बेसिस पर की जा सकती है। यह जानकारी मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से सीधे यात्रीगणों को मोबाईल पर मुहैया कराई जायेगी ।

(6) क्षेत्रीय सहायक कंपनी के लिए विभिन्न गतिविधियों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (रडढ) एवं पॉलिसी तैयार करना तथा दिन-प्रतिदिन के आपरेशन में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना आदि।

(7) अनुबंधित बस ऑपरेटर्स को आवश्यक अधोसंरचना जैसे डिपो, बस स्टैण्ड, बस स्टॉप, बुकिंग सेंटर्स आदि की सुविधा मुहैया करायी जायेगी। नगरीय क्षेत्रों में बस डिपो, बस स्टैण्ड, बस स्टाप का विकास/निर्माण कार्य नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा कराया जाकर संधारण एवं संचालन के लिए होल्डिंग कंपनी को अंतरित किया जायेगा। कंपनी पुनर्घनत्वीकरण योजना में भी प्रदेश में परिवहन अधोसंरचना को सुदृढ़ करने का कार्य कर सकेगीं।

(8) आपरेटर्स को, बसों का सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग एवं सुरक्षा मुहैया करायी जायेगी।

(9) क्षेत्रीय स्तर पर कैपिसिटी बिल्डिंग एवं ट्रेनिंग सेंटर्स का गठन किया जायेगा। जिसमें निजी, शासकीय, अर्ध शासकीय स्टाफ की ट्रेनिंग शामिल होगी।

(10) पर्यावरण हितैषी कार्य जैसे ई-बस, इलेक्ट्रिक चार्जिंग आदि का सेटअप साथ-साथ प्रमोट किया जायेगा।

(11) विभिन्न स्टेक होल्डर्स जैसे बस ऑपरेटर, आमजन आदि से संपर्क रखते हुये इस आई.टी. प्लेटफार्म पर एग्रीगेटर रोल के तहत अन्य इन्टरमिडिएट पैरा ट्रांजिस्ट (वढळ) ऑपरेटर्स एवं अन्य गैर अनुबंधित प्रायवेट बस ऑपरेटर्स को भी इस सिंगल आई.टी. प्लेटफार्म पर लाने की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी ।

(12) ग्रीन फंडिंग एवं केन्द्र शासन / राज्य शासन की योजना का लाभ लेते हुये बस ऑपरेशन सिस्टम को सुदृढ़ किया जायेगा।

(13) कंपनी के राज्य में उपलब्ध अचल संपत्तियों का संधारण एवं आवश्यकतानुसार नवीन संपत्तियों का अधिग्रहण तथा इनका उपयोग परिवहन सेवाओं तथा राजस्व आय के रुप में किया जायेगा।

मध्यप्रदेश है उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाला प्रथम राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वर्ष-2024-25 में वृहद इकाइयों को दिया गया 3100 करोड़ का लंबित इन्सेन्टिव

एमएसएमई इकाइयों को भी 1075 करोड़ रुपये के लंबित इन्सेन्टिव के भुगतान की पहल

राज्य में औद्योगिक इकाइयों का कोई भुगतान लंबित नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रीगण को दी जानकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहन देने वाला ऐसा राज्य है जहां औद्योगिक इकाइयों को राशि के भुगतान का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ऐसा कोई भी भुगतान लंबित नहीं है जो औद्योगिक इकाइयों को देय था। ऐसा कार्य करने वाला मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक के पहले मंत्रिगण को दिए संबोधन में राज्य शासन की प्राथमिकताओं और गतिविधियों से अवगत करवाया।

औद्योगिक इकाइयों को राशि का भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा एकमात्र राज्य है जहां वृहद और लघु सूक्ष्म, मध्यम उद्योगों के समस्त देयकों का भुगतान पूर्ण हो चुका है। राज्य शासन औद्योगिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। वृहद औद्योगिक इकाइयों को वर्ष 2024-25 में कुल 3100 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। औद्योगिक विभाग के अंतर्गत वृहद औद्योगिक इकाइयों को आज 702 करोड़ रुपये के इन्सेन्टिव का भुगतान करने का कार्य किया गया। एमएसएमई विभाग के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों को 1075 करोड़ रुपये के लम्बित इन्सेन्टिव का भुगतान किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में एमएसएमई इकाइयों को कुल 2162 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसी तरह आज राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से एमएसएमई और वृहद इकाइयों के लिए 1777 करोड़ रुपये की देय इन्सेन्टिव राशि का भुगतान कर रही है। इससे 2500 से अधिक औद्योगिक इकाइयां लाभान्वित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सफलता के लिए मंत्री परिषद सदस्यों को बधाई भी दी।

विक्रम संवत-2082

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वप्रथम सभी मंत्रियों को भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत-2082 प्रारंभ होने की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा का अपना महत्व है। प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर्व का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस आयोजन का वेबकास्ट भी किया गया। यह सौभाग्य की बात है कि सम्राट विक्रमादित्य मध्यप्रदेश से हैं। विक्रम संवत शुभारंभ पर महत्वपूर्ण प्रकल्प प्रदेश में प्रारंभ हुए हैं।

स्कूल चलें हम अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'स्कूल चलें हम' अभियान के अंतर्गत एक अप्रैल से प्रवेशोत्सव प्रारंभ हुआ है। इस अभियान के तहत चार दिवसीय विशेष गतिविधियां हो रही हैं। मंत्रीगण अपने प्रभार के जिले में एक से चार अप्रैल तक प्रवेश उत्सव को सफल बनाने का प्रयास करें। राज्य में लगभग 85 लाख विद्यार्थियों को सत्र के प्रारंभ में ही पाठ्य पुस्तकें प्रदान करने का निर्णय लिया गया। प्रवेशोत्सव में इसी माह स्कूल की किताबें बांटी जानी हैं। इसके साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियां, खेलकूद और विशेष भोज के आयोजन करना भी नियत किया गया है। कैलेंडर तैयार कर गतिविधियों का क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है।

सीएम राइज विद्यालयों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिमंडल के सदस्यों को अवगत करवाया कि प्रदेश में निर्मित एवं निमार्णाधीन समस्त सीएम राइज विद्यालयों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। सूचना प्रौद्योगिकी की दृष्टि से मध्यप्रदेश में इंदौर संभावना से भरा क्षेत्र है। यहां देश-विदेश की लगभग 200 कंपनियों की भागीदारी रहेगी।

उद्योगों में कार्यरत बहनों को रहवास सुविधा के लिए 284 करोड़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्र सरकार ने विशेष केंद्रीय सहायता से प्रदेश की औद्योगिक कामकाजी बहनों की रहवास सुविधा के लिए 284 करोड़ रुपए की राशि 5120 महिलाओं के लिए हॉस्टल की सुविधा के लिए स्वीकृत की गई है। ये हॉस्टल पीथमपुर, मंडीदीप, मालनपुर, विक्रम उद्योगपुरी, झाबुआ, सिंगरौली, देवास और नर्मदापुरम में स्वीकृत किए गए हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में इस महती योजना के स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश सरकार आभार व्यक्त करती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि 30 मार्च से यह अभियान प्रारंभ किया है। अभियान आगामी 30 जून तक चलना है। प्रदेश में 90 दिन से अधिक चलने वाले इस अभियान के निश्चित ही अच्छे परिणाम आएंगे। ऐसा विश्वास है कि इस अभियान को सरकार और समाज द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित कर सफल बनाया जाएगा।

गेहूं उपार्जन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 2600 रुपये प्रति क्विंटल की जा रही है। जिले के प्रभारी मंत्री और जनप्रतिनिधि तोल कांटे आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन कर इस कार्य के सुचारू संचालन में सहयोग करें। प्रदेश में 14.76 लाख किसानों द्वारा पंजीयन करवाया गया है। अब तक 8 लाख मैट्रिक टन गेंहूँ का उपार्जन लगभग 1 लाख किसानों से किया जा चुका है। इस माह अर्थात अप्रैल में उपार्जन कार्य में गति आएगी।

सामाजिक न्याय में अनुदान आंवटन प्रक्रिया को बनाया गया पूर्ण पारदर्शी

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से संबंधी सभी शासकीय और मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाएँ वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाया गया है। अब संस्थाएँ ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने कहा कि विभाग द्वारा शासकीय और अशासकीय मान्यता प्राप्त संस्थाओं, जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र को अनुदान के आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है।

मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का सामूहिक गायन

भोपाल। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत "वंदे-मातरम" एवं राष्ट्र-गान "जन-गण-मन" का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, श्री संजय दुबे, सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रिश्वत कांड में फरार प्रधान आरक्षक की जमानत मंजूर

भोपाल। भोपाल में ऐशबाग थाने के जिस एएसआई को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया था, उसने साइबर ठगी के 3 आरोपियों को बचाने के लिए 25 लाख की मांग की थी। एएसआई पवन रघुवंशी का कहना था कि इसमें थाना प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल, एएसआई मनोज सिंह, हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य शामिल हैं। मंगलवार को केस के फरार आरोपी प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह को भी हाईकोर्ट जबलपुर से जमानत मिल गई है। इससे पहले टीआई को भी हाईकोर्ट से ही जमानत मिली थी। रघुवंशी द्वारा पुलिस को दिए बयानों के मुताबिक, मामले में मुख्य आरोपी अफजल खान के साले मुईन खान, उसके भाई वसीम खान और अफजल की पत्नी जाहिदा को आरोपी न बनाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। टीआई जितेंद्र गढ़वाल के कहने पर पवन और साथी एएसआई मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह ने पूरी डील की थी। जिसकी पहली किश्त के तौर पर 4.94 लाख रुपए पवन ने अपने घर पर फरार पार्षद अंशुल उर्फ मोना जैन से लिए थे। इस रकम को एसीपी सुरभी मीणा और उनकी टीम ने पवन के घर से जब्त किया था। पूरी कार्रवाई को पांच मार्च को अंजाम दिया गया था।

मप्र में अगले 4 दिन ओले-बारिश

भोपाल। ओले-बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन मौसम बदला रहेगा। कहीं ओले गिरेंगे तो कहीं 40 से 50डे प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी। मंगलवार को बड़वानी, खरगोन और खंडवा में ओले गिर सकते हैं, जबकि सीहोर, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा और बुरहानपुर में तेज आंधी का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, बदले मौसम का असर पूरे प्रदेश में ही देखने को मिलेगा। जिससे दिन के तापमान में भी गिरावट होगी। यानी, अप्रैल के पहले सप्ताह में तेज गर्मी की बजाय बारिश, ओले का असर देखने को मिलेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या इ. सुरेंद्रन ने बताया, एक टर्फ दक्षिण छत्तीसगढ़ से विदर्भ होते हुए मध्य महाराष्ट्र तक गुजर रहा है

संस्कृत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की प्रदेश स्तर पर प्राप्त उपलब्धि से गौरवांवित हुआ जबलपुरः महापौर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के कुशल मार्गदर्शन में संचालित पं. लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.) की परीक्षा में प्रदेश के प्रवीण्य सूची के टॉप 10 में स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय और जबलपुर में ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश में परचम फहराया है। इससे जबलपुर गौरवांवित हुआ है। इसके लिए आज महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, सभी एम.आई.सी. सदस्यों, पार्षदगणों, एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने संस्कृत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ एवं बधाईयॉ दी है। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि निश्चित रूप से नगर निगम के लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में उत्कृष्ठ अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया है इसमें शिक्षा अधिकारी श्रीमती बीना वर्गीस, तथा प्राचार्य डॉ. नर्मदा प्रसाद शर्मा, एवं आचार्य परिवार से अजय शुक्ला, श्रीमती सपना बाथरे, श्रीमती शिखा भांगरे आदि का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। प्राचार्य श्री शर्मा ने बताया कि नगर निगम द्वारा संचालित पं. लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय गोविन्दगंज, जबलपुर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन से सम्बद्ध जहॉ से शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.) की परीक्षा संचालित की जाती हैं, जिसमें शास्त्री कक्षा से बॉकेबिहारी तिवारी ने प्रावीण्य सूची में (सम्पूर्ण मध्यप्रदेश) आठवॉ स्थान अर्जित किया है। आचार्य कक्षा में आनन्द दीप त्रिपाठी ने प्रावीण्य सूची में (सम्पूर्ण मध्यप्रदेश) प्रथम स्थान, सूरज पाण्डेय ने द्वितीय, विवेक कुमार तिवारी एवं रोहित बिल्थरे ने प्रावीण्य सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, साथ ही प्रावीण्यता के क्रम में आलोक कुमार मिश्रा, प्रतिभा सोनी, संजय तिवारी, संदीप मिश्रा, बालकृष्ण पाण्डेय, राहुल दुबे, राजेश कुमार तिवारी, सौरभ पाठक ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि संस्कृत महाविद्यालय के इन छात्रों की सफलता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के संस्कृतनिष्ठ भावना एवं उनका संस्कृत महाविद्यालय के विकास के लिए उत्तरोत्तर सकारात्मक चिंतन ही इन छात्रों की सफलता है, साथ ही महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू का प्रयास है कि वर्तमान परिवेश के क्रम में संस्कृत महाविद्यालय के छात्र नए-नए पाठ्यक्रमों से परिचित होकर एवं उनका अध्ययन कर सनातन धर्म के वैज्ञानिक स्वरूप को शास्त्रीय समरसता एवं समन्वय के रूप में स्थापित कर पुनः भारत विश्वगुरू के स्वरूप में अग्रगण्य हो सके। प्राचार्य डॉ. नर्मदा प्रसाद शर्मा ने महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत भी किया।

कांग्रेस जनों ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुभाष यादव को किया याद

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सहकारिता के पुरोधा एवं मप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव की जन्म-जयंती पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक यादव एवं कांग्रेस नेता विवेक यादव ने कांग्रेस जनों के साथ वृद्धाश्रम में लगभग 100 वृद्धजनों को फल वितरित कर उनका हाल जाना एवं उनके मध्यप्रदेश के लिए उनके किए गए कार्यों को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अभिषेक यादव ने कहा कि निमाड़ की धरती को नर्मदा जल से किसानों समृद्ध बनाने के लिए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता । कांग्रेस नेता रीतेश अग्रवाल ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने प्रदेश की जनता उनको हमेशा याद करेगी । पुष्पांजलि के दौरान युवा कांग्रेस नेता रविंद्र गौतम ने कहा कि एपेक्स बैंक के माध्यम से आम जनता को सहयोग ऋण उपलब्ध कराकर उनकी समृद्धि के लिए बहुत कार्य किए । इस अवसर पर पार्षद संतोष दुबे रीतेश अग्रवाल रविन्द्र गौतम बबुआ शुक्ला दीपेश मिश्रा वीरू यादव अमन अग्रवाल सागर भरद्वाज अंशित सोनी अभिनव बाजपेई दीपक नन्होरिया अर्पित साहू दीपक यादव संजू आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे ।

कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रदेश सचिव बने खान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति से मोहम्मद नुर उल्लाह खान को कांग्रेस आईटी एवं सोशल मीडिया सेल में प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कांग्रेस आईटी एवं सोशल मीडिया मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चंचलेश व्यास द्वारा की गई है। मोहम्मद नुर उल्लाह खान की इस नियुक्ति पर सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं।

पमरे के कारखानों में बीते वित्तीय वर्ष में कुल 8300 से अधिक कोचों/वैगनों की हुई ओवर हॉलिंग

अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों/वैगनों का पीरीयोडिक ओवर हालिंग का कार्य किया जाता है।? पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के सतत निगरानी एवं मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेल के दोनों कारखानों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य को पार करते हुए सर्वाधिक कोचों/वैगनों का अनुरक्षण करके बेहतर प्रदर्शन किया गया है। पश्चिम मध्य रेल ने अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 8307 कोचों/वैगनों का पिरियोडीक ओवर हॉलिंग (आउटटर्न) किया गया, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रेलवे बोर्ड द्वारा कुल 7968 कोचों/वैगनों का पिरियोडीक ओवर हॉलिंग करने का लक्ष्य दिया गया था, जिसकी तुलना में 4 प्रतिशत अधिकओवर हॉलिंग किया गया है। जिसमें सीआरडब्लूएस भोपाल कारखाना ने 1369 कोचों का अनुरक्षण किया तथा डब्लूआरएस कोटा कारखाना ने 6938 वैगनों की मरम्मत की है। पिरियोडिक ओवर हॉलिंग (पीओएच) के दौरान निम्न कार्य किये जाते हैं :- कोच और वैगन के बॉडी और अंडर गियर की मरम्मत की जाती है, जिससे परिचालन में सरंक्षा सुनिश्चित की जा सके। कोचों और वैगनों के नीचे ट्रॉली, बोगी के सभी पाट्र्स की मरम्मत की जाती है, जो सरंक्षा की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है।

नहाय खाय के साथ चैती छठ शुरू, खरना आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नहाय खाय के साथ चैती छठ का शुभारंभ मंगलवार को हो गया है। छठ व्रतियों ने स्नान कर घरों में गंगाजल लाकर पूजन करने के बाद अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल, लौकी की सब्जी, आंवला की चटनी आदि ग्रहण कर 4 दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लिया। आज खरना पूजा के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जायेगा। 4 अप्रैल को उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ का समापन हो जायेगा।गुरुवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी। शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पारण करके 4 दिवसीय महापर्व का निस्तार किया जायेगा। मान्यता के अनुसार, खरना का प्रसाद ग्रहण करने से काया निरोग रहती है, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है।

हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ प्रवेश उत्सव कार्यक्रम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शासकीय कन्या उच्च तर माध्यमिक विद्यालय, गोकलपुर में प्रदेश शासन द्वारा जारी आदेशानुसार नवीन अकादमीक सत्र 2025-2026 का शुभारम्भ मंगलवार से किया गया। आज संस्था में नवागत छात्राओं का तिलक लगाकर, पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। क्रमोन्नति करके अगली कक्षाओं में गयीं छात्राओं का भी भव्य स्वागत किया गया। संकुल प्राचार्या श्रीमती रुक्मणि कनोजिया जी ने उत्कृष्ट छात्राओं को पुरुस्कृत किया। कार्यक्रम में अतिथि श्रीमान विनोद केवट एवं अन्य गणमान्य अभिभावकों का स्वागत शालेय परिवार द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए हर्षोउल्लास के साथ स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत प्रवेश उत्सव मनाया गया।संकुल प्राचार्या श्रीमती रुक्मिणी कनोजिया द्वारा छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक जानकारीयां प्रदान की गयीं। शाला परिवार के श्रीमती रुक्मणि कनोजिया,मीनूकांत शर्मा, श्रीमती मीरा पटेल, गायत्री सिंह, दिलीप सिंह ठाकुर, दिलीप अग्रवाल, ज्योति दुबे, यू सी राय, वंदना खम्परिया,कीर्ति सक्सेना, सुलेखा खरे, वेंकट वान्द्रे, नंदिनी नायक, अंकिता अवस्थी, रौशनी हंसराज, पूनम केवट,शिल्पा जी, कंधीलाल इत्यादि की गरियामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

श्रीराम और हनुमान के बाल रूपों की सजीव होंगी रामनवमी शोभा यात्रा का आकर्षण केंद्र

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में आगामी 6 अप्रैल को सांयकाल 6 बजे निकलने वाली श्री राम प्राकट्योत्सव शोभा यात्रा में इस वर्ष राम और हनुमान के बाल रूपों की सजीव झांकी निकाली जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को श्री राम मन्दिर मदन महल में जगतगुरू डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज के सानिध्य में आयोजित अंतिम बैठक में लिया गया। भगवान श्री राम का सुशोभित स्वरूप में जन जन को दर्शन कराना ही शोभायात्रा का मूल उद्देश्य है। राम राष्ट्र के प्राणाधार है। आध्यात्मिक सांस्कृतिक धार्मिक चेतना का जागरण करने ही सनातन धर्म महासभा जबलपुर विगत 46 वर्षों से लगातार रामनवमी पर सनातनी संस्कृति को जबलपुर की सड़कों पर प्रर्दशित करती हैं। महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, अशोक मनोध्या, गुलशन माखीजा, सुनीता चावला, कुसुम चौबे ने बताया इस वर्ष मातृ शक्ति पिंक वस्त्रों में वृहद संख्या में चलेंगी। श्रीराम मंदिर मदन महल, श्रीकृष्ण मंदिर गोरखपुर, श्री गोविन्दगंज रामलीला समिति मिलौनीगंज, श्री सनातन कृष्ण मंदिर छोटी ओमती, झूलेलाल मंदिर, जयश्री कृष्ण सभा बाई का बगीचा, गोपाल मंदिर घमापुर, जगदीश मंदिर गढाफाटक, रामलीला समिति गढ़ा, अखिल गायत्री परिवार जबलपुर,नरसिंह मंदिर गीता धाम की झांकियां शोभायात्रा में शामिल रहेंगी। इस अवसर पर मनोज शर्मा प्रवेश खेड़ा, लोकराम कोरी, रमेश शर्मा, विष्णु पटेल, विध्येश भांपकर, जतिन नारंग, गीता पांडे, जगदीश साहू ,के के बस्सी लोकराम कोरी,नंदकिशोर अग्रवाल ,रामजी अग्रवाल, विजय सरावगी, रोशन ठाकुर राहुल सहगल ,दामोदर भाई चौहान, अनिल चंडोक, सुभाष खत्री, राजेश गुप्ता, मोहन बत्रा, विजय मिश्रा, राजकिशोर पाठक, देशराज कनौजिया, राजीव भाटिया, मनीष यादव, गुरूदास शर्मा, संजय दुबे, जेपी शर्मा, रामावतार द्विवेदी, अजय ताम्रकार विजय शंकर मिश्रा उपस्थित रहे।

छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़!

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में प्रशासनिक अव्यवस्था और परीक्षा संबंधी गंभीर अनियमितताओं के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश सचिव अभिषेक पटेल के नेतृत्व मे उग्र प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकर्ता कुलपति कक्ष में घुस गए, उनके चेहरे पर काली पट्टी बंधी थी और हाथों में आईना था–यह स्पष्ट संकेत था कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपनी आँखें, कान और मुँह बंद कर लिए हैं। वे न तो छात्रों की समस्याएँ देखना चाहते हैं, न उनकी आवाज सुनना चाहते हैं और न ही कोई समाधान के लिए मुँह खोलना चाहते हैं! छात्रों ने कुलगुरु कार्यालय में प्रवेश किया तो हड़कंप मच गया। प्रदर्शन मे मुख्य रूप से प्रदेश सचिव अभिषेक पटेल, राहुल रजक ,अनुज यादव, अभिषेक दाहिया,हर्ष, पवन,अनुज पटेल, आशु, मयंक तिवारी, सौभित खरे साहिल केवट सहित भारी संख्या मे छात्र उपस्थित थे।

रीवा-इतवारी एक्सप्रेस की सेवाएं अब 4 अप्रैल से होगी बहाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रेल प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल पर ब्रिजों के अनुरक्षण कार्य के चलते रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस की सेवाओं को पहले निरस्त करने का निर्णय लिया गया था। अब निरस्त रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस की सेवाएं आगामी 4 अप्रैल 2025 से बहाल रहेगी। यानि अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार गंतव्य तक चलती रहेंगी। गाड़ी संख्या 11756 रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस दिनांक 04 अप्रैल 2025 से बहाल कर दिया गया है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11755 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस दिनांक 05 अप्रैल 2025 से बहाल कर दिया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन से प्राप्त कर यात्रा करें।

मथुरा-गंगापुर सिटी-मथुरा के मध्य स्पेशल ट्रेन का संचालन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मथुरा-गंगापुर सिटी-मथुरा के मध्य स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर रेल प्रसाशन द्वारा चलाया जा रहा है। गाड़ी संख्या 04191/04192 मथुरा-गंगापुर सिटी-मथुरा स्पेशल ट्रेन दिनांक 01 अप्रैल से 30 जून 2025 तक दोनों दिशाओं में कुल 91-91 ट्रिप चलेगी। यह गाड़ी में कुल 12 कोच होंगें। गाड़ी संख्या 04191 मथुरा-गंगापुर सिटी स्पेशल मथुरा से शाम 16:15 बजे प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशनों पर रूकते हुए रात 22:55 बजे गंगापुर सिटी पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 04192 गंगापुर सिटी-मथुरा रात 23:25 बजे गंगापुर सिटी से प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन सुबह 07.00 बजे मथुरा पहुँचेगी । गाड़ी के हाल्ट- यह गाड़ी दोनों दिशाओं में मथुरा से गंगापुर सिटी के मध्य गोवर्धन, डीग, बृज नगर, गोविंद गढ़, रामगढ़, अलवर, राजगढ़, बाँदीकुई जंक्शन, दौसा जंक्शन, नांगल राजावतान, लालसोट, मण्डावरी, पिपलाई एवं बामनवास स्टेशनों पर रुकेगी। रेल यात्रियों से अनुरोध है कि स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139 एवं एनटीईएस ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

पुरातन परंपराओं के साथ ही होंगे हनुमानताल में जवारे विसर्जन : डॉ पाण्डेय

नवरात्रि में जवारे विसर्जन की तैयारियों हेतु नगर निगम,पुलिस प्रशासन एवं समितियों के साथ विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने की बैठक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा अंतर्गत हनुमानताल तालाब में होने वाले जवारे विसर्जन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के विषय में तैयारियों को लेकर विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने नगर निगम, पुलिस प्रशासन, मां बड़ी खेरमाई,मां बूढ़ी खेरमाई ट्रस्ट और समितियों के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक करके विसर्जन की तैयारियों की रूपरेखा तैयार की। इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि हनुमानताल जो कि शहर की ऐतिहासिक धरोहर तो है ही तथा साथ ही विभिन्न धार्मिक आयोजनों में भी अपना विशेष महत्व रखता है इसलिए हम लोगों ने यहां आज सारे संबंधित अधिकारियों और समिति के पदाधिकारियों के साथ मिलकर जो कई दिनों से संशय की स्थिति बनाई जा रहा जवारे विसर्जन को लेकर उसे मैं स्पष्ट करता हूं कि जवारे तो अपनी नियत परम्पराओं के अनुसार हनुमानताल में ही विसर्जित होंगे। इसके लिए हम पूरी तैयारी कर रहे हैं तीन अलग अलग स्थानों पर कुंड बनाए जा रहे हैं और उन कुंडों में जल की व्यवस्था करेंगे पुरानी मान्यताएं के अनुसार जो जिस घाट में जवारा विसर्जन करता है वो वहीं करेगा उसकी व्यवस्था कराई जा रही है कुंडों में हम नर्मदा जल और गंगा जल की व्यवस्था कर रहे हैं और उनमें ही जवारे का विसर्जन किया जायेगा ये हमारी सनातनी परंपराएं और मान्यताएं हैं उनका पूर्ण रूप से पालन किया जायेगा, उत्तर विधानसभा में हम धार्मिक आस्था और श्रद्धा के साथ सदैव ही खड़े हैं, समितियों ने हमें जो सुझाव दिए है उनका अक्षरशः पालन किया जायेगा। हनुमानताल का विकास और उन्नयन का कार्य हमारे द्वारा अभी करवाया जा रहा है जिसके बाद ये ऐतिहासिक धरोहर अपने आप में विकास और विरासत की एक दर्शनीय धरोहर के रूप में और भी अच्छे स्वरुप में स्थापित होगी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष राहुल रजक, सी एस पी सुनील नेमा, थाना प्रभारी धीरज राज, एस डी एम संजय मिश्रा, डी. ओ. मोहित नगर, आचार्य रोहित दुबे, शशिकांत मिश्रा, दिलीप दुबे, मनीष शिवहरे, प्रदीप डियोडिया, पार्षद कविता रैकवार, सीताराम सेन, मुकेश रूसिया, सुबोध साहू, मनोज सेन, अजय तिवारी,अंकित पाठक ,विजय यादव, सनी सोनकर, अनिल पाल, महेंद्र जांगड़े, राजकुमार पटेल,आयुष चौबे,राज भटनागर,संतोष साहू आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समिति प्रमुख उपस्थित थे।

संपादकीय

चोर का धन चांडाल खाए, पापी मुंह देखता रह जाए

हुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपयोग चांडाल के भाग्य और ऐसो-आराम में होता हैं। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपयोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ।

दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के उपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा।

सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबो रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है।

वह अपने धन का उपयोग करने के स्थान पर ज्यादा कमाने के चक्कर में ऐसी कंपनियों में निवेश कर देते हैं, जहां से ज्यादा लाभ मिलने की संभावना होती है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबो रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामो से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़े-बड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबो रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते है। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है।

धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईडी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडलो के पास पहुंच जाता है। वही चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा। वर्तमान स्थिति में यह कहा जा सकता है।

चोर, सूदखोर, लालची और पापी अपने बनाया धन का उपभोक्ता नहीं कर सकते हैं। उनके धन पर हमेशा डाकुओं और चांडालों का ही हक होता है। इस बात को हर कोई जानता है। मानता कोई नहीं है। जिसके कारण लोग लुटते हुए चले आ रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना लिखा रहता है, वही एसो आराम करते हैं। भारत में इस तरह की ठगी करके अरबों रूपया लूटकर हजारों लोग विदेश भाग गए हैं। जो लूटे हैं, वह उन्हें कोस रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना था। वह विदेश भाग कर वहां ऐश कर रहे हैं।

अद्वितीय है वैदिक संवत्सर की धारणा

नवसंवत्सर का स्वागत। काल सुंदर रथ पर सवार है। यह हर बरस मधुमय नवसंवत्सर लाता है। काल सर्वशक्तिमान देवता हैं। अथर्ववेद (9-53) के ऋषि भृगु ने उनकी महिमा गायी है, काल-अश्व विश्वरथ का नियन्ता है। वह सहस्त्र आंखों वाला है। सबको देखता है। समस्त लोक कालरथ के चक्र हैं। ज्ञानी इस रथ पर बैठते हैं। यह काल सात चक्रों का वाहक है। इसकी सात नाभियां हैं। इसकी धुरी में अमृत है। ज्ञानी इस काल को विभिन्न रूपों में देखते हैं। कैसे देखते हैं भृगु ने बताया है, काल से ही सृष्टि सर्जक प्रजापति आये। काल स्वयंभू है। वह स्वयं किसी से नहीं जन्मा। काल से ही विश्वजन्मा। काल में तप हैं। काल में मन है। काल में ज्ञान है। काल विश्व पालक और सबका पिता तथा पुत्र है। काल में पृथ्वी की गतिशीलता है। काल से ही सूर्योदय और सूर्यास्त हैं। काल में ही भूत, भविष्य और वर्तमान हैं। सृष्टि का उद्भव शून्य से नहीं हो सकता। सृष्टि रचना के पहले कोई एक आदि द्रव्य है। इसी आदि द्रव्य में सृष्टि का समूचा पदार्थ-जड़ और समस्त ऊर्जा-चेतन एकत्रित है। फिर आदि द्रव्य में परिवर्तन हुआ, जो अव्यक्त था, अप्रकट था वह व्यक्त हुआ। प्रत्येक

परिवर्तन का मूल गति है। गति से ही काल बोध है। वैदिक निरूक्त में यास्क ने काल का सम्बंध गति से जोड़ा है। काल अखण्ड सत्ता है। काल पिता है, वही पुत्र भी है। काल की अनुकम्पा आयु है, काल का कोप मृत्यु है। काल में सर्जन है, काल में ही विसर्जन है। भारतीय कालबोध ऋग्वेद से भी पुराना है। यही कालबोध प्राचीन काल में ईरान पहुंचा। अथर्ववेद में जो काल है। वही ईरानी ग्रंथ अवेस्ता में जुर्वान है। जैसे अथर्ववेद का काल प्रतिष्ठित देवता है, वैसे ही अवेस्ता का जुर्वान भी एक देव है। भारतीय काल सबका नियंता है और प्रजापति का पिता है। इसके भीतर प्रकाश और अंधकार है। दिवस और रात्रि है। जुर्वान भी अनंत है। संसार के रचयिता अहुरमदा उसकी संतान हैं। अहुरमदा भारतीय प्रजापति हैं। इस विचार के अनुसार जब न आकाश था, न पृथ्वी, न कोई जीव तब जुर्वान था। यहां सीधे ऋग्वेद के सृष्टि सूक्त की प्रतिध्वनि है। भारतीय नववर्ष की शुरुआत किसी ऋषि, महात्मा या महापुरुष की जन्मतिथि से नहीं होती। बेशक इस तिथि में अनेक महापुरुष उगे, अनेक निर्वाण को प्राप्त हुए। युधिष्ठिर विक्रमादित्य सहित अनेक पूर्वजों ने अपने नवसंवत्सर भी चलाये। अंग्रेजी कालगणना ईसा से शुरू होती है। लेकिन प्रथम नवसंवत्सर का प्रथम आलोक, प्रथम दिवस और प्रथम तिथि की गणना अनूठी है। सृष्टि जिस क्षण शुरू होती है, उसी समय संवत्सर का प्रारम्भ हो जाता है। संवत्सर का प्रारम्भ सार्वभौमिक है। नवसंवत्सर व्यक्त सृष्टि का प्रथम ऊषाकाल है। यह सम्पूर्ण जगत् का प्रथम सूर्योदय है। सृष्टि ब्रह्म का प्रथम सुप्रभात है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय नववर्ष है। वैदिक संवत्सर की धारणा अद्वितीय है। प्रकृति अजन्मा है। ऋग्वेद (10.82.6) के अनुसार सृष्टि के आदि से ही विद्यमान वह एक अज-अजन्मा है। इसी अज की नाभि में सभी भुवन समाहित थे। अज आधुनिक ब्रह्माण्ड विज्ञानियों का कासमोस है। अज गतिशील हुआ। गति से परिवर्तन आया। विज्ञान की दृष्टि से प्रत्येक सृजन/परिवर्तन के पीछे एक ऊर्जा है। प्रकृति की शक्तियां उगीं। ऋषियों के अनुसार वे देवता थीं। ऋषि कहते हैं, व्यापक जलों में देवता थे-यद् देवा सलिले सुसंरब्धा अतिष्ठत। उनके नृत्य से तेज गति वाले रेणु अणु-परमाणु प्रकट हुए। (10.72.6) ऋग्वेद (10.190.1, 2) में कहते हैं, तप से ऋत व सत्य (व्यक्त जगत) प्रकट हुए। अंधकार-रात्रि और अगाध जल समुद्र आये। समुद्रों से संवत्सर प्रकट हुआ-समुद्रादर्ण वादधि संवत्सरों अजायत। सृष्टि के साथ काल उगा। इसी काल का प्रथम दर्शन संवत्सर है।

सृष्टि छान्दोग्य है। इसका अन्तस् छन्दस् है। छन्द की अपनी लय होती है। प्रकृति सदा से है। यह लय में प्रकट होती है और प्रलय में अप्रकट। प्रलय में भी लय बची रहती है। ऋग्वेद के एक मंत्र में कहते हैं, वह वायुहीन स्थिति में भी अपने दम पर सांस ले रहा था-आनादीवातं स्वधया तदेंक। स्वधा प्रकृति की अनंत प्राण ऊर्जा है। इसलिए वायु नहीं है तो भी सांस जारी है। ऋग्वेद का वह एक-तदेकं बड़ा दिलचस्प है। इसी वह एक को विद्वान-विप्र इन्द्र, मित्र, अग्नि मातरिश्वन गरूण आदि देव नामों से पुकारते हैं लेकिन वह एकं सद्-एक ही सत्य है-एकंसद् विप्रा बहुधा वदन्ति। (ऋ. 1.164.46) सृष्टि सृजन परिवर्तन की ही सतत् प्रवाही कार्रवाई है। परिवर्तन के भीतर गति होती है। जहां गति है, वहीं समय है।

सृष्टि और प्रलय सतत् प्रवाही हैं। लेकिन प्रलयकाल में भी समूची ऊर्जा का नाश नहीं होता। प्रलय के बाद फिर से सृष्टि होती है। गति का मूल ऊर्जा है। ऊर्जा अविनाशी है। गति का नाश नहीं होता। समय भी अविनश्वर है। सृष्टि बार-बार आती है। यह चक्र की तरह है। सीधी रेखा नहीं। भारतीय दर्शन में इसीलिए कालचक्र है। उसका पहिया घूमता है और बार-बार सृष्टि व प्रलय लाता है। प्रकृति में द्वैत दिखाई पड़ते हैं-यहां रात-दिन हैं। जीवन-मृत्यु हैं। प्रकाश-अंधकार हैं। रात्रि ऋत है, दिन सत्य है। दिन ज्ञान है, रात्रि तमस हैं। दिन सक्रियता है, रात्रि विश्रांति है। सृष्टि अपने छन्दस् में गतिशील है। काल रथ का पहिया घूम रहा है। पूर्वजों में कालबोध था। कालबोध ही इतिहासबोध है।

भारतीय कालगणना के पहले कालबोध है। फिर कालगणना है। इस गणना में सृष्टि की आयु एक अरब 95 करोड़, 58 लाख, 85 हजार एक सौ तेरह वर्ष हो चुकी है। वैज्ञानिक अनुमान भी यही हैं। इस संवत्सर का केन्द्र सूर्य हैं, पूरा सौर-परिवार है। ऋग्वेद (1.164) में कहते हैं सूर्य को हमने सात पुत्रों-किरणों (वर्णों) के साथ देखा है। इनके मध्यम भाई वायु हैं, उनके तीसरे भाई अग्नि हैं। ऋत का 12 अरों वाला चक्र इस द्युलोक में घूमता है। यह चक्र कभी जीर्ण नहीं होता। इसके 720 पुत्र इस चक्र में हैं। यहां ऋत प्रकृति की व्यवस्था है और अरे 12 माह हैं। एक वर्ष में दिन रात मिलाकर 720 अहोरात्र हैं। विश्वदर्शन, काव्य सृजन या चिन्तन की किसी भी पद्धति में काल का ऐसा अध्ययन विवेचन और विश्लेषण नहीं मिलता। सृष्टि सर्जन के पहले काल बोध नहीं है, संवत्सर भी नहीं है। संवत्सर और सृष्टि साथ-साथ।

टाइम और काल (समय) पर्यायवाची नहीं है। काल अखण्ड है, टाइम इसके खण्ड का माप है। ऋग्वेद में कहते हैं, जो अब तक हो चुका और भविष्य में जो होगा वह सब अदिति हैं। वह सब यही पुरुष है। वैदिक अनुभूति में समूची कालसत्ता अखण्ड है। यूरोपीय दृष्टि में भूत-पास्ट एक टेन्स-तनाव है। भूत का अस्तित्व वर्तमान में स्मृति है। इसी तरह फ्यूचर टेन्स भविष्य का आकर्षण है। तनाव मस्तिष्क गत कार्रवाई है। प्रजेन्ट फ्यूचर या पास्ट टेन्स कालगणना नहीं है। भारतीय कालबोध का क्षण सृष्टि की शुरुआत है। फिर युग है। महाभारत युद्ध के 36 वर्ष बाद यानी ईसा पूर्व 3103 वर्ष से कलियुग चल रहा है। युगाब्ध की दृष्टि से भारत की 52वीं सदी है। विक्रम संवत् की दृष्टि से यह 2082 विक्रम है। लेकिन ईसा की दृष्टि से यह 21वीं सदी ही है। भारत की प्रतीति, अनुभूति वैज्ञानिक है। भारतीय नवसंवत्सर, अंतरराष्ट्रीय नववर्ष पर सबको शुभकामनाएं।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मायने अराजकता नहीं

भारतीय राजनीति, साहित्य, संस्कृति और अकादमिक दायरों में जिस पदबंध का प्रयोग जोर-शोर से किया जाता है, वो है- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। जितने जोर-शोर से इसे दोहराया जाता है उससे भी दोगुने मौकों पर इसका दुरुपयोग भी उतने ही खुले तौर पर किया जाता है। हालिया एक कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रकरण से ऐसा ही कुछ हुआ जा रहा है। जो लोग यह तर्क देते हैं कि अगर आप किसी से असहमत भी हों, तब भी आपको उनके बोलने के अधिकार का समर्थन करना ही चाहिए। फ्रीडम ऑफ स्पीच पर तभी प्रश्न उठाए जा सकते हैं जब वह हिंसा फैलाने में सहयोग कर रही हो। कुणाल कामरा ने ऐसा कुछ नहीं किया है। जबकि किसी के बोलने इसका व्यावहारिक और तर्कसंगत पहलू भी होना चाहिए कि उसके बोलने का वास्तविक मंतव्य, उद्देश्य क्या है। कोई अगर कॉमेडी की आड़ या अन्य किसी भी नजरिए से किसी व्यक्ति, जाति, धर्म, संप्रदाय, समुदाय या किसी भी उद्देश्य से निर्मित समूह के प्रति सार्वजनिक रूप से अभद्र-अशालीन-अमर्यादित भाषा-बोली का प्रयोग कर उसकी मानहानि करते हैं, सामाजिक रूप से अपमानित करते हैं, फूहड़ तरीके से हंसी-मखौल उड़ाते हैं या उसके हितों नुकसान करते हैं तो यह भी उसके प्रति वाचिक हिंसा, सार्वजनिक अपमान करना ही हुआ, इसे स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति, बोलने का अधिकार या लोकतंत्र जा समर्थन तो कतई नहीं कहा-

माना जा सकता। कुणाल कामरा ने पिछले दिनों अपने कॉमेडी शो में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के तरफ संकेत कर जो कुछ कहा है, उसे समझना, उसके निहितार्थ निकालना कोई मुश्किल काम नहीं है। यह महज कॉमेडी नहीं, विशुद्ध रूप से फूहड़ तरीके का राजनीतिक वक्तव्य है, किसी का सार्वजनिक अपमान, उसकी मानहानि है। भारत में दल-बदल कर सत्ता हासिल करने का लंबा राजनीतिक इतिहास रहा है। 1977 और 1979 में हरियाणा में मुख्यमंत्री भजनलाल के समूची कैबिनेट सहित दलबदल करने का इतिहास तो जाना-पहचाना है ही, राजनीतिक मुहावरा आयाराम-गयाराम भी हरियाणा के एक विधायक की ही देन है।

अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता की आड़ में हमें उन मूल्यों को भी नहीं भूलना चाहिए जो एक सभ्य, सुसंस्कृत, मर्यादित और शिष्ट समाज की बुनियाद होते हैं। इस समाज में अनियंत्रित, निरंकुश कुछ भी नहीं होता। अनुशासन, मर्यादाओं की एक सीमा-रेखा होती है। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनुछेद 19(1)(क) के तहत नागरिकों को दी गई है। हालांकि यह भी असीम नहीं है। इसे अनुछेद 19(2) के तहत कुछ उचित प्रतिबंधों के अधीन रखा गया है। हर अभिव्यक्ति के मायने अराजकता नहीं हो सकता। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए वाचिक और शाब्दिक हिंसा पर भी अंकुश उतना ही जरूरी है जितना दैहिक हिंसा पर। भारतीय बौद्धिक जगत की दिक्कतें यह भी कम नहीं कि उसकी बौद्धिकता किसी व्यक्ति, समूह, जाति,समुदाय को परखने,उसका मूल्यांकन करने या उसके पक्ष-विपक्ष में खड़े होने के मूल में उसके पैमाने, उसके निकष, मापदंड उसकी विचारधारा के अनुरूप बदलते रहते हैं। इसके मूल में उसकी राजनीतिक विचारधारा, उसकी अपेक्षाएं, उसकी महत्वाकांक्षाएं और उसके निहितार्थ मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसा ही कामरा के प्रसंग में हुआ है। कला और साहित्य-संस्कृति की स्वायत्तता के स्वयम्भू ठेकेदारों ने अपने स्तर पर एक पैमाना बना रखा है जिससे वे अभियक्ति की आजादी की हद तय करते है। सच यही है कि आज भारतीय बौद्धिक जगत अपनी इस खामोशी की वज़ह यादा अविश्वसनीय और बदनाम है जिसे निर्मल वर्मा ने चुनी हुई चुप्पी कहा था, जिसे सामान्यतः सलेक्टिव खामोशी कहा जाता है।

ऐसे चुनी हुई चुप्पियों वाले कथित और स्वयंभू बुद्धिजीवियों की अभिव्यक्ति की आज़ादी तब खतरे में नहीं आती जब तस्लीमा नसरीन को बोलने से रोका जाता है, तारेक फतेह के साथ धक्का मुक्की कर जश्ने रेख्ता से बाहर किया जाता है । इस आजादी पर तब भी खतरा नहीं आता जब जेएनयू के वामपंथी योग शिक्षक रामदेव को किसी कार्यक्रम में बुलाने का विरोध कर उनका कार्यक्रम रद्द करवा देते है या नूपुर शर्मा की तथ्यात्मक बात के बावजूद वे चुप्पी धारण कर लेते हैं। यदि कोई अपनी वैचारिकता के निकट है तो गलत होकर भी सही, वरना विरोधी होने पर खामोशी। क्या एक लोकतांत्रिक देश में सेलेक्टिव चुप्पी और सलेक्टिव स्वस्थ प्रवृत्ति है

कुणाल कामरा का विवादों से पुराना नाता रहा है। वरिष्ठ पत्रकार अर्नब गोस्वामी से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदर्भ में वो विवादों में रह चुके हैं। नए वीडियो में कामरा ने मुकेश अंबानी के बेटे का उसके वजन के लिए मजाक उड़ाया है। सभी जानते हैं कि अनंत अंबानी को बीमारी की वजह से स्टेरॉइड्स लेने पड़ते हैं। स्टेरॉइड्स के साइड इफेक्ट की वजह से उनका ये वजन बढ़ा हुआ है। यानी बीमारी की वजह से अनंत अंबानी की ये हालत है और कोई उसका मजाक उड़ा रहा है तो ये कुछ भी हो सकता है, कॉमेडी तो नहीं। वास्तविकता यह है कि आज के दौर में जब कॉमेडियन का मार्केट ठंडा हो जाता है तब वापस मार्केट में चर्चा में आने के लिए धर्म, राजनीतिक, जाति आदि विषयों पर निजी रूप से व्यंग्य करते हैं ताकि विवाद हो और वह फिर चर्चा में आ जाएं। पैसे और चर्चा में बने रहने के लिए उनका एक तरह का पेशा है। इसे आप इस प्रकरण से भी समझ सकते हैं कि इस विवाद के बाद सुपर थैंक्यू के नाम पर कामरा को दो दिन में ही लाखों रुपये की फंडिंग हो चुकी है। कहने को विदेशी सिनेमा या सीरीज में देशज शब्दों की भरमार होती है। ऑस्कर पाने वाली अनोरा में एक गाली का प्रयोग सैकड़ों बार हुआ। मार्टिन स्कोर्सेसी जैसे बड़े फिल्मकार ने भी द वुल्फ ऑफ वॉल स्ट्रीट में भी एक यौन शब्द का इस्तेमाल सैकड़ों बार किया। किसी रचना, चाहे वो फिल्म हो या किताब, उसमें अगर गाली या कथा या पात्रों के स्तर के अनुसार गालियों या किसी देशज किस्म की भदेस भाषा का प्रोयग होता है तो उसे रचनात्मक अनिवार्यता कही जा सकती है, राही मासूम रजा के आधा गांव या काशीनाथ सिंह की अस्सी जा अस्सी कृति-फिल्म लेकिन आज के दौर में जब स्टैंडिंग कॉमेडी के नाम जो छिछोरापन परोसा जाता है, वह अस्वीकार्य है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी को कुछ भी करने की इजाजत नहीं दे सकती। गाली गलौज, मानहानि, अभद्र भाषा, सार्वजनिक छीछालेदर को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मर्यादित बोध से होनी चाहिए।

नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

समाज में कितना पतन बाकी है यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े कर ड्रम में डाल दिया। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायीं। ये कुछ वारदातें तो बानगी भर हैं। दरअसल नैतिक पतन के चलते इस तरह की खबरें अब आम हो रही हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें ज़रूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना ज़रूरी है- परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मज़बूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त क़दम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नज़र डालते हैं तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की ख़बरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और

सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की क़ीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन खुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुज़ुर्गों का मार्गदर्शन रहता था लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे ग़लत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे घातक क़दम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और गलत का फर्क कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है।

अब सवाल है कि इस नैतिक गिरावट को कैसे खत्म किया जाए। दरअसल, यदि परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही कदम उठाएँ, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है। पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और सही-गलत का फ़र्क़ समझाना चाहिए। तनाव, अवसाद और गुस्से से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न किया जाए। जरूरत हो तो थैरेपी और काउंसलिंग को अपनाया जाए। अपराधियों को कड़ी सजा मिले और कानूनी प्रक्रिया तेज हो, ताकि अपराधियों में डर बना रहे। सकारात्मक कहानियों और नैतिकता से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों की प्रेरणा मिले। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक मूल्यों पर ज़ोर दिया जाए। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हम सबको अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। यह केवल सरकार या कानून का काम नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर बदलाव लाने की ज़रूरत है। स्पष्ट है कि घोर कलयुग के इस समय में भी अगर हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो यह अंधकार थोड़ा कम हो सकता है। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हमें खुद से शुरुआत करनी होगी। हम केवल सरकार और कानून व्यवस्था को दोष नहीं दे सकते, बल्कि हमें अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में बदलाव लाने होंगे। घोर कलयुग के इस समय में भी यदि हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो समाज में अच्छाई का पुनर्जागरण संभव है। हमें यह तय करना होगा कि हम इस अंधकार में खो जाना चाहते हैं या फिर अपने प्रयासों से रोशनी की एक नई किरण लाना चाहते हैं।

मंत्री सिंह ने फीता काटकर कला वीथिका में प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज भंवरताल पार्क के पास स्थित हीरालाल राय कला वीथिका का फीता काटकर शुभारंभ किया। मां नर्मदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित कला संगम में जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों से आये कलाकारों ने मूर्ति, चित्र एवं पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। इस अवसर पर मंत्री सिंह ने कहा कि एक कलाकार बहुत भावुक होता है। चित्र कला कलाकार की भावनाओं की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति होती है। इस प्रकार की प्रदर्शनियों से लोगों की अपेक्षा होती है कि वे कलाकार की भावनाओं को समझें। उन्होंने कहा कि कला प्रदर्शनी में लगे सभी पेंटिंग्स बहुत सराहनीय है। इसके लिए उन्होंने सभी कलाकारों को बधाई व शुभकामनाएं दी। मंत्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के सबसे बड़े फ्लाई ओव्हर पूर्णतः की ओर है, जिसका लोकार्पण आने वाले समय में किया जायेगा। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त किया कि फ्लाई ओव्हर को लेकर नागपुर की तरह यहां भी कला प्रदर्शनी की जा सकती है। साथ ही अपेक्षा व्यक्त की कि इस प्रकार की कला प्रदर्शनी की श्रृंखला का प्रयास जारी रहे। इस अवसर पर विधायक रोहाणी ने भी कहा कि कलाकारों द्वारा निर्मित मूर्ति, चित्र एवं पोस्टर के भावों को समझने की आवश्यकता है। वहीं रत्नेश सोनकर ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, पंकज दुबे, अभय सिंह और संस्था के अध्यक्ष तरूण दुबे सहित बड़ी तादात में कला प्रेमी मौजूद थे।

देवजी नेत्रालय के 8 वें वर्ष पर संपूर्ण अंधत्व निवारण शिविर सम्पन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

दादा वीरेंद्र पुरी जी महाराज नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) में संपूर्ण अंधत्व निवारण शिविर का आयोजन गत दिवस सम्पन्न हुआ क परमपूज्य गुरुदेव दादा वीरेंद्र पुरी जी महाराज के अनुकम्पा और प्रेरणा से अंधत्व निवारण के लिए देवजी नेत्रालय की स्थापना की गयी है ' शिविर का उट्घाटन श्रीमती अनुपमा स्थापक के हाथों दीप प्रज्ज्वलन से हुआ संचालक डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि शिविर में 1151 मरीजों का नेत्र परिक्षण हुआ जिसमें 134 मरीज निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित हुए क इसके अलावा रेटिना के 120,कांचियाबिंद के 85,बाल नेत्र चिकित्सा के 230 और कॉर्निया की बीमारी के 91 मरीजों का पंजीयन होकर अत्याधुनिक उपकरणों से निःशुल्क जाँच हुई 18 मरीज ऐसे पाए गए जिनको दूर का बहुत हाई नंबर लग रहा था और 60 मरीज ऐसे पाए गए जो पास का चश्मा नहीं लगाना चाह रहे थे इनका पंजीयन ट्रांस एढक अत्याधुनिक लेजर तकनीक से चश्मा उतारने के लिए किया गया कशेष मरीजों की चश्मे के नंबर की जाँच की गयी एवं औषधिया प्रदान की गयी डॉ. पवन स्थापक ने आगे बताया कि सेवा संकल्प की निःशुल्क नेत्र सेवा महाकोशल के सोलह जिलों में की जा रही है, मरीजों का नेत्र परीक्षण कर चयनित मरीजों का निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाता है ' स्मरणीय रहें की दादा वीरेंद्र पुरी जी नेत्र संस्थान देवजी नेत्रालय का भूमिपूजन निवृत शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज के कर - कमलों द्वारा दिनांक 2 मई 2014 अक्षय तृतीया के दिन और लोकार्पण परमपूज्य सरसंघचालक डॉ मोहन राव भागवत जी के द्वारा दिनांक 2 अप्रैल 2017 को हुआ था निरंतर 8 वर्षों मे 11 लाख से ऊपर नेत्र परीक्षण एवं लगभग 2,50,000 निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किये जा चुके है ' देवजी नेत्रालय मे आँखों की समस्त बीमारियों का इलाज किया जाता है ' यहाँ निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन ही नहीं होते बल्कि ग्लूकोमा, रेटिना,कॉर्निया,स्क्विंट और पीडियाट्रिक ऑफ्थेलमोलॉजी जैसे विशेष ऑपरेशन भी होते है क जिस जटिल नेत्र चिकित्सा के लिए लोगों को महानगरों का रुख करना पड़ता था वो सब एक ही छत के नीचे देश-विदेश से प्रशिक्षित नेत्र विशेषज्ञों की टीम के साथ देवजी नेत्रालय में उपलब्ध है कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ पवन स्थापक, डॉ आयुष टंडन,डॉ अर्पिता स्थापक,डॉ अपूर्वा स्थापक,डॉ रितेश शुक्ला, डॉ श्रुति चौधरी, डॉ सुरभि दुबे, डॉ सुनील बसेड़िया,डॉ सोनिया टंडन,डॉ प्रिया जैन का योगदान रहा।

नेत्रहीन विद्यार्थियों हेतु कॅरियर परामर्श एवं परीक्षा पूर्व तैयारी पर व्याख्यान का आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

दिव्यांग प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान मे आज नेत्रहीन विद्यार्थियों हेतु कॅरियर परामर्श एवं परीक्षा पूर्व तैयारी पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, जबलपुर संभाग एवं दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी ने महाविद्यालय के नेत्रहीन विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि विद्यार्थियों को अपना आत्म मूल्यांकन करना चाहिये। अपनी रूचियों और मूल्यों का मूल्यांकन करना चाहिए। अपने लक्ष्यों का निर्धारित करें और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए योजना बनाये। महाविद्यालय में आयोजित विशेष प्रशिक्षणों का लाभ उठाये। परीक्षा की तैयारी हेतु अध्ययन के लिए समय सारणी बनाएं एवं सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़े। कार्यक्रम में डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत के साथ महाविद्यालय के लगभग 43 नेत्रहीन विद्यार्थी उपस्थित रहें।

किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने के मामले में कटनी प्रदेश के प्रथम 6 जिलों में शामिल

कटनी। किसानों के फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया संपादन के मामले में कटनी जिला प्रदेश के प्रथम 6 जिलों में शामिल है। जिले में अब तक 1लाख 46 हजार 935 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य संपादित किया जा चुका है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने मंगलवार को राजस्व अधिकारियों को इस कार्य में और अधिक तेजी लाने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि किसानों की प्राथमिकता से फार्मर रजिस्ट्री कराया जाना सुनिश्चित हो। जिले में अब तक बने फार्मर आईडी में से कटनी नगर में 8 हजार 910 , स्लीमनाबाद तहसील में 16 हजार 176, बहोरीबंद तहसील में 23 हजार 560, कटनी ग्रामीण में 9 हजार 340 फार्मर आई डी बनाये जा चुके हैं। इसी प्रकार बरही तहसील में 15 हजार 562, विजयराघवगढ़ तहसील में 26 हजार 137,रीठी तहसील में 20 हजार 59,बडवारा तहसील में 14हजार 603 और ढीमरखेड़ा तहसील में अब तक 23 हजार 5 किसानों के फार्मर आई डी बनाये जा चुके हैं। फार्मर आई डी के तहत कृषकों को आसानी से केसीसी ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हो सके तथा हितग्राही मूलक योजनाओं का निर्धारण एवं सत्यापन की प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु राज्य शासन के निदेर्शानुसार प्रत्येक कृषक भूस्वामी को एक यूनिक आईडी भारत सरकार द्वारा जनरेट कर प्रदान की जा रही है। शासन द्वारा पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु फार्मर आई.डी का होना अनिवार्य किया गया है । इस हेतु कलेक्टर यादव ने समस्त पीएम किसान हितग्राहियों की फार्मर आई.डी बनाने हेतु कैम्प का आयोजन करने के दिशा-निर्देश कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने राजस्व अधिकारियों को दिए है।

कुंडेश्वर धाम में आयोजित हुए जल गंगा अभियान के विभिन्न कार्यक्रम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आज प्रस्फुटन ग्राम रमपुरी कला, ददरगंवा एवं सुपावरा में नवांकुर संस्थाओं,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कार्यकताओं एवं ग्राम के जन समुदाय की सहभागिता से जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें जल स्त्रोतों का गहरीकरण,सार्वजनिक कूप के अंदर एवं बाहर श्रमदान से स्वच्छता कार्य , इसके साथ ही जन समुदाय में अभियान के लोक व्यापीकरण के लिए संवाद एवं ग्राम चौपाल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रस्फुटन ग्रामो में आयोजित कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक विवेक कुमार मिश्रा,नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधी, मेंटर्स , प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता तथा ग्रामीण जनों की सहभागिता रही।

चित्रकूट गौरव दिवस पर शाम 7 बजे 21 लाख दीपों से जगमग होगी चित्रकूट नगरी

चित्रकूट। पवित्र एवं धार्मिक नगरी चित्रकूट का गौरव दिवस रामनवमी के दिन 6 अप्रैल को मनाया जा रहा है। गौरव दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं संत महात्माओं तथा समाज के सहयोग से पूरे चित्रकूट परिक्षेत्र उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के प्रमुख स्थानों पर 21 लाख से अधिक दीप प्रज्जवलित होंगे। उत्तर प्रदेश स्थित चित्रकूट क्षेत्र में 11 लाख दीपक और मध्यप्रदेश स्थित चित्रकूट क्षेत्र में भी 11 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित हुआ है। इसके लिए चित्रकूट के प्रमुख संस्थानों, होटल प्रतिष्ठानों, मंदिरों, व्यापारियों और सामाजिक कार्यकताओं सहित दीप प्रज्ज्वलन में सहभागी सभी लोगों की लक्ष्य बार सूची और निर्धारित स्थान चिन्हित किया जा चुका है, ताकि कोई भी प्रमुख स्थान बगैर दीप प्रज्ज्वलित के ना रहे। शाम होते ही पूरा चित्रकूट जगमगाएगा। गौरव दिवस कार्यक्रम के लिए दीनदयाल शोध संस्थान के उद्यमिता विद्यापीठ में मंगलवार को संत समाज एवं समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ वृहद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवकरणीय ऊर्जा मंत्री मध्यप्रदेश शासन राकेश शुक्ल, महंत रामजी दास संतोषी अखाड़ा, महंत पवन बाबा अनसुइया आश्रम, महंत दिव्यजीवन दास दिगंबर अखाड़ा, सीताशरण दास जानकी महल, स्फटिक शिला महंत जुगुल किशोर, महंत रूपनारायण गौरिहार मंदिर, डॉ रामनारायण त्रिपाठी गायत्री शक्तिपीठ, ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, एसडीएम एपी द्विवेदी, तहसीलदार हिमांशु शुक्ला, सी एम ओ नगर परिषद चित्रकूट विशाल सिंह, विनीता शिवहरे मण्डल अध्यक्ष, श्रीमती दिव्या त्रिपाठी, श्रीमती राजेश्वरी द्विवेदी, श्याम दिन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि राष्ट्रऋषि नाना सदैव कहते थे कि जनता की पहल, पुरुषार्थ एवं सहभागिता से किया गया कार्य स्थाई होता है इसलिए हम सभी सामूहिक प्रयत्न व जनभागीदारी से चित्रकूट गौरव दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न करेंगे । श्री महाजन ने चित्रकूट क्षेत्र के आम जनमानस से अपील की है कि श्रीराम नवमी के अवसर पर चित्रकूट गौरव दिवस का यह पावन आयोजन दोनों जिलों के प्रशासन, संत महात्माओं, व्यापारियों एवं समाज के सहयोग से आयोजित हो रहा है। इस पावन पर्व पर सभी लोग सपरिवार अपने घरों, प्रतिष्ठानों, देवालयों एवं घाटों पर आस्था के दीप प्रज्वलित कर श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशियों में शामिल हों। रामनवमी के दिन 6 अप्रैल को शाम को 7:00 बजे सभी स्थानों पर एक साथ दीप प्रज्जवलित होना शुरू होंगे, जो कि 7:45 तक दीप दीपन का यह अविस्मरणीय कार्यक्रम रहेगा।

भगवान झूलेलाल के आदर्श तथा उनके मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं:मंत्री सिंह

मंत्री सिंह शहर के विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में हुए शामिल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह आज विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। जिनमें भूकम्प कॉलोनी में श्रीराम कथा, गोल बाजार कछियाना रोड में एक सामाजिक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। मानस भवन में चेट्रीचंड्र महोत्सव में शामिल होकर उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है चैत्र मास के प्रथम दिन व चेट्रीचंड्र से सृष्टि का आरंभ हुआ है। भगवान झूलेलाल के आदर्श तथा उनके मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। मंत्री सिंह ने भगवान झूलेलाल के चरणों को शत-शत नमन करते हुए कहा कि सिंधी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारत के समृद्धि की ताकत है। इतिहास के भीषण अत्याचार सहने के बाद भी इस समाज ने अपनी संस्कृति को बचा कर रखा। इसलिए आज अन्य समाजों की भांति सिंधी समाज भी एक आदर्श है।

उन्होंने कहा कि वे सिंधी समाज के बहुत ऋणी है क्योंकि उन्होंने उसे बहुत सिखाया है। सिंधी भाषा आज पूरी दुनिया में जहां-जहां है, उसे जीवंत बनाकर सिंधी समाज एक अपनी पहचान बनाये रखा है। यह समाज सिर्फ समृद्ध ही नहीं बल्कि दूसरों को रोजगार देने का एक महत्वपूर्ण काम भी किया है। इस अवसर पर अशोकानंद महाराज और विधायक रोहाणी ने भी सिंधी भाषा में समारोह को संबोधित कर सभी को चेट्रीचंड्र महोत्सव की शुभकामनाएं दी। मंत्री सिंह धार्मिक कार्यक्रमों के तारतम्य में रामपुर में माता की चौकी, ग्वारीघाट वैशाली परिसर व सुखसागर में चेट्रीचंड्र महोत्सव में भाग लेकर मदन महल श्रीराम मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा कार्यक्रम में शामिल हुए। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, रत्नेश सोनकर, अभय सिंह, पंकज दुबे, करतार सिंह बटीजा सहित सिंधी समाज के कई गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्कूल चले हम अभियान के तहत आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम

नये शैक्षणिक सत्र के पहले दिन बच्चों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्कूल चले हम अभियान के तहत नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत पर आज जिले के सभी स्कूलों में प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। नये शैक्षणिक सत्र के पहले दिन आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम के साथ ही जिले में स्कूल चलें हम अभियान भी प्रारंभ हो गया है।

जिले की शालाओं में आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में संपन्न हुये राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान का शुभारंभ भी किया। स्कूल चलें हम अभियान के तहत जिले की शालाओं में आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। सीएम राइज विद्यालय करोंदीग्राम में आयोजित प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री अशोक रोहणी ने छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी भी मौजूद थे। विधायक श्री रोहाणी ने अपने संबोधन में बच्चों को पढ़ाई की ओर अधिक ध्यान देने तथा शाला में नियमित रूप से उपस्थित रहने की सलाह भी दी। उन्होंने बच्चों को गणवेश और पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया तथा शाला की सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को शासन द्वारा प्रदान की गई स्कूटी की चाबी प्रदान की तथा लेपटॉप की राशि प्राप्त करने वाले सभी 37 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम को जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने कहा। श्री सोनी ने शिक्षकों को भी समय पर स्कूल में उपस्थित रहने के निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी ने किया शालाओं का निरीक्षण. नये शैक्षणिक सत्र के पहले दिन आज स्कूल चलें हम अभियान के तहत आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशगंज, शासकीय बालक हाई स्कूल गोकलपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोकलपुर, सीएम राइज विद्यालय अधारताल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तमरहाई का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान सभी विद्यालयों मे प्रवेश उत्सव कार्यक्रमों का आयोजन पाया गया। निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशगंज, शासकीय बालक हाईस्कूल गोकलपुर में विद्यार्थियों की कम संख्या पर जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यालय में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर सभी ब्लॉक के सहायक संचालक एवं बीईओ द्वारा भी स्कूलों का निरीक्षण किया गया। मझौली में सहायक संचालक अतुल चौधरी के निरीक्षण मे एक प्रभारी प्राचार्य, तीन शिक्षक, एक व्याख्याता एवं दो भृत्य अनुपस्थित पाए गए। इन सभी को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कारण बताओ पत्र जारी कर जवाब मांगा गया है।

ये जगह है धन कुबेर का स्थान, दुकान या फैक्ट्री में यहीं बनाएं कैश काउंटर

मिलेगा राजा जैसा सुख

व्यापार करने वालों को वास्तु का खास ध्यान रखना चाहिए। वास्तु में बताई गई बातों का पालन करके आप अपने व्यापार में ढेर सारा लाभ हासिल कर सकते हैं। अगर आप व्यापार के लिए नया प्लॉट ले रहे हैं या आपकी दुकान, फैक्ट्री आदि है तो कैश काउंटर रखने से लेकर खुद के बैठने की कुर्सी के स्थान तक के वास्तु टिप्स जानिए। वास्तु शास्त्र में धन की देवी माता लक्ष्मी और कुबेर महाराज को प्रसन्न करने के उपाय बताए गए हैं। खासकर बिजनेस करने वालों को वास्तु का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे उनके व्यापार में आने वाली बाधाएं न सिर्फ दूर होती हैं, बल्कि दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ोतरी भी होती है। कर्मचारी बातें मानते हैं। आपकी व्यापारिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होती है। इसलिए व्यावसायिक कार्यों के लिए प्लॉट लेते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी है। साथ ही किस जगह कैश काउंटर बनाने से आपका व्यापार समृद्ध होगा और इसे कहां स्थापित करना चाहिए, विस्तारपूर्वक जानिए।

व्यापार में फायदे के लिए वास्तु टिप्स

अगर आप कारोबार करते हैं और अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नया प्लॉट खरीदने जा रहे हैं तो आपको इन बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए-

आयताकार या वर्गाकार प्लॉट सर्वश्रेष्ठ माना जाता है
अगर आयताकार प्लॉट ले रहे हैं तो इसका अनुपात 1ः2 से ज्यादा न हो
प्लॉट के दक्षिण-पश्चिम हिस्से की सतह ऊंची हो
ज्यादा से ज्यादा निर्माण दक्षिण-पश्चिम हिस्से में कराएं
उत्तर-पूर्व हिस्से को खुला छोड़ दें और इसकी सतह नीचे रखें

मां लक्ष्मी की दिशा है उत्तर-पूर्व

मान्यता है कि ईश्वर, गंगा और माता लक्ष्मी का निवास उत्तर-पूर्व दिशा में है। ऐसे में उत्तर-पूर्व की ओर ढलान होने और इस खुले स्थान पर पानी भरे रहने से व्यापार में धन की आवक बनी रहती है। धन लक्ष्मी बढ़ती जाती है। यही नहीं इस तरह के वास्तु उपाय से कम मेहनत में ज्यादा फल की प्राप्ति होती है। बिजनेस करने वालों की किस्मत चमक जाती है। अगर आप प्लॉट लेकर निर्माण कार्य करवा रहे हैं तो उत्तर-पूर्व दिशा में अंडरग्राउंड टैंक, स्विमिंग पुल, तालाब आदि बना सकते हैं। यही नहीं जिन लोगों के व्यापार में परेशानियां आ रही हैं वे भी इसके अनुसार वास्तु सुधार कर सकते हैं। इससे व्यापार में विवाद और कर्ज आदि की दिक्कतें भी दूर होती हैं।

दक्षिण-पश्चिम स्थान को रखें ऊंचा

व्यावसायिक प्लॉट में उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की तरफ निर्माण नहीं करवाना चाहिए। इससे व्यापार में रुकावट, आर्थिक परेशानियां, कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। इसलिए उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व दिशा को ज्यादा से ज्यादा खाली और खुला रखना चाहिए। यहां पानी की आवाजाही होने देनी चाहिए। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम स्थान की सतह और चारदीवारी को ऊंचा रखना चाहिए। इससे व्यावसायिक स्थल पर शांत और खुशहाल वातावरण रहता है। मालिक का अपने कर्मचारियों पर नियंत्रण रहता है। वह राजा जैसा सुख प्राप्त करता है।

मालिक को किस तरफ बैठना चाहिए

दुकान हो या फैक्ट्री, मालिक को दक्षिम पश्चिम दिशा में बैठना चाहिए। इसे नैऋत्य दिशा भी कहते हैं। मालिक इस तरह बैठे कि उसका चेहरा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर हो। अगर पूर्व मार्ग की तरफ दुकान या फैक्ट्री है तो मालिक को उत्तर की तरफ चेहरा रखना चाहिए। अगर पश्चिम मार्ग की तरफ दुकान या फैक्ट्री है तो दक्षिण की तरफ चेहरा किया जा सकता है और दक्षिण मार्ग पर प्लॉट हो तो दक्षिण पश्चिम में पूर्व की ओर चेहरा रखकर बैठना चाहिए। हालांकि अगर दुकान में ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं तो दक्षिण या नैऋत्य दिशा की ओर चेहरा नहीं करना चाहिए। बल्कि दक्षिण पश्चिम में उत्तर या पूर्व की ओर चेहरा रखना चाहिए।

कैश काउंटर कहां रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कैश काउंटर वर्गाकार या आयताकार रखना बेहतर होता है। कैश काउंटर को उत्तर दिशा से ईशान तक कहीं भी बना सकते हैं। मध्य उत्तर को कुबेर का स्थान माना जाता है। ऐसे में इधर कहीं भी कैश काउंटर बनाया जा सकता है। अगर कैश काउंटर पर चेहरा उत्तर या ईशान की तरफ होना सबसे अच्छा माना जाता है। कैश काउंटर को अन्य सभी सामानों के काउंटर से ऊपर रखना चाहिए। इसे खोलते और बंद करते समय कर्कश आवाज नहीं आनी चाहिए।

व्यावसायिक स्थान पर ये तस्वीरें न लगाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, बिजनेस करने वाली जगहों पर कभी भी दुखी, रोते हुए या आंख बंद किए गए लोगों की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। इसी तरह सूअर, बाघ, खरगोश, बगुला, उल्लू, सांप, सियार जैसे जानवरों की तस्वीरें लगाने से भी बचना चाहिए। खतरनाक या दीन-हीन हालात वाली आकृतियां लगाने से परहेज करें। इसकी जगह आप अपने व्यापार से जुड़े ख्याति प्राप्त लोगों, अपने प्रेरणा स्रोतों की तस्वीर लगा सकते हैं। तस्वीर अपनी कुर्सी के पीछे दीवार पर या किसी उचित जगह लगा सकते हैं।

लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान ज्यादातर लोग कर बैठते हैं ये 4 गलतियां

लड्डू गोपाल की सेवा करते समय आपको कुछ गलतियों से बचना चाहिए। आप अगर ये गलतियां करते हैं, तो आपको लड्डू गोपाल की सेवा का पूरा फल नहीं मिल पाएगा। इन गलतियों को ज्यादातर लोग कर बैठते हैं। आइए, जानते हैं लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़ीं गलतियां। लड्डू गोपाल श्रीकृष्ण का बाल रूप है। बाल गोपाल की पूजा करने से जीवन में सुख और समृद्धि आती है। लोग अक्सर घरों में लड्डू गोपाल के बाल रूप की पूजा करते हैं। लड्डू गोपाल की सेवा एक बच्चे की तरह ही की जाती है। यदि आप उन्हें घर में रखते हैं, तो आपको कुछ खास नियमों का पालन करना होगा। समय-समय पर उनकी पूजा और जीवनशैली में बदलाव भी करना चाहिए। कुछ लोग लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं, जिनसे बचने की जरुरत है। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वे गलतियां।

लड्डू गोपाल को जल्दी न उठाएं

जिस तरह बच्चों की नींद का ख्याल रखते हैं, उसी तरह लड्डू गोपाल की नींद का भी ख्याल रखना चाहिए। लड्डू गोपाल को सुबह कब उठाना है, यह मौसम पर निर्भर करता है लेकिन फिर भी इसके लिए कोई तय नियम नहीं है लेकिन आपको इस बात का ख्याल भी रखना चाहिए कि आपने लड्डू गोपाल को कब सुलाया है। उन्हें अगर थोड़ी और नींद की जरूरत है, तो आप उन्हें थोड़ी देर बाद उठा सकते हैं।

लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर न जाएं

आपने अपने घर के आसपास देखा होगा कि लोग लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर जाते हैं। फिर चाहें, वो बाजार जा रहे हो या फिर किसी शोर-शराबे वाली पार्टी में, लेकिन यह सबसे बड़ी गलती है। लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर जाने से बचना चाहिए। इससे लड्डू गोपाल को परेशानी हो सकती है।

लड्डू गोपाल के लिए रात में पानी जरूर रखें

जिस तरह हमें रात में प्यास लगती है, उसी तरह लड्डू गोपाल को भी लग सकती है। अगर उन्हें रात में प्यास लगे, तो वे खुद से पानी पी सकते हैं। इसलिए, यह जरूरी है कि जब आप उन्हें सुलाकर आएं, तो उनके पास पानी का बर्तन जरूर रखें। कई लोग लड्डू गोपाल के पास रात में पानी नहीं रखते।

लड्डू गोपाल के रात में कपड़े जरूर बदलें

कई लोग लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद जो कपड़े पहनाते हैं, उसे रात तक लड्डू गोपाल को पहनाए रखते हैं लेकिन ऐसा करना सबसे बड़ी गलती है। लड्डू गोपाल के कपड़े रात के समय जरूर बदलें। रात के समय लड्डू गोपाल को मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं।

क्या कहते आपके सितारे

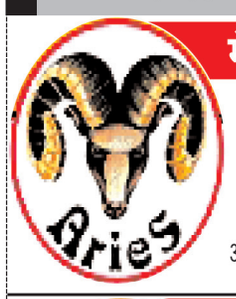

मेष मेष- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप लोगों पर को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहेंगे। आपका विश्वास मजबूत रहेगा। यदि आपको काम को लेकर कुछ चुनौतियां आ रही थी, तो उनका भी आप डटकर सामना करेंगे। आप अपने माता-पिता से कुछ जरूरी कामों को लेकर बातचीत कर सकते हैं, जिसमें वह आपकी पूरी मदद करेंगे। पारिवारिक समस्याएं आज दूर होंगी और आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।

वृषभ वृषभ- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने कामों से आज लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। कार्यक्षेत्र में लोगों आप पूरा साथ देंगे। आपको अपनी सेहत को लेकर लापरवाही नहीं करनी है। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन मिथुन- आज का दिन आपके लिए कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आपसे कार्यक्षेत्र में गड़बड़ी हो सकती है, इसलिए जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें और कामों को किसी दूसरे के भरोसे ना छोड़ें। आपकी संतान आज आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको कोई पुरस्कार मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य को रिटायरमेंट मिल सकता है। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा।

कर्क कर्क- आज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में ध्यान देने के लिए रहेगा। आपकी कोई डील फाइनल होते-होते लटक सकती है। आपको अपने बिजनेस को आगे ले जाने को लेकर कुछ योजनाएं बनाने की आवश्यकता है। आपकी संतान को कोई नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपके पिताजी कोआपकी कोई बात बुरी लग सकती है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

सिंह सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने अनुभवों का पूरा लाभ मिलेगा। आप यदि किसी काम को लेकर समझदारी दिखानी होगी, तभी वह आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको सिरदर्द की समस्या हो सकती है। आप अपने घर पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। यदि आपको कुछ उलझनें चल रही थी, तो वह भी दूर होंगे। आपका कोई लेन-देन से संबंधित मामला आपको परेशान करेगा।

कन्या कन्या- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको किसी नई प्रॉपर्टी की प्राप्ति हो सकती है। कानूनी मामलों में आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आप उसमें ढील देंगे, तो वह बढ़ सकती है। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था,तो वह भी आपसे वापस मांग सकते हैं। आपको अपने भाइयों की कोई बात बुरी रख सकती है।

तुला तुला- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपको नौकरी को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठाना पड़ सकता है। युवा जातक अपने क्रिएटिविटी को दिखाकर कार्यक्षेत्र में अपने बॉस को अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से आपके कुछ का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। आपको कोई पुराना लेनदेन सुलझता दिख रहा है।

वृश्चिक वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिए कमजोर रहने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं, जिनके लिए आपको अपनी आंख व कान खुले रखने होंगे। कार्यक्षेत्र में आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। आपको किसी डील को फाइनल करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल करनी होगी, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा होने की संभावना है।

धनु धनु- आज का दिन आपके लिए सावधान रहने के लिए रहेगा। यदि आप नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, तो आपकी परीक्षा पूरी हो सकती है। आपका कोई वाद विवाद सुलझ सकता है। आपको किसी से कोई बात सोच समझकर कहानी होगी। आपको कोई अच्छा मौका हाथ लग सकता है। आपको अपने कामों को लकर अपने किसी मित्र से मदद देनी पड़ सकती है। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या चल रही है तो उसके लिए आप किसी अच्छा डॉक्टर से परामर्श लेनी होगी, नहीं तो उसके बढ़ाने की संभावना है।

मकर मकर- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती से भरा रहने वाला है। आपको वाहन चलाते समय सावधान रहने की आवश्यकता है। यदि आपकी कोई डील लंबे समय लटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है। आपको यदि किसी प्रकार की कोई समस्या चल रही थी तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कुंभ कुंभ- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप यदि शुगर व थायराइड से परेशान है, तो आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें। आप अपने घर कोई सुख सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। संतान पर भी आप कुछ जिम्मेदारी देंगे। विद्यार्थी यदि पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उन्हें कोई अच्छी सफलता मिल सकती है। आपको अपने बेफिजूल के खर्चों पर लगाम लगाने की आवश्यकता है,

मीन मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने के लिए रहेगा। आपको कामों में प्रमोशन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। संतान के विवाह में यदि कोई उलझन आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप अपनी शौन शौकत की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

रश्मिका मंदाना के जमीन पर नहीं पड़ रहे पांव!

रश्मिका मंदाना ने कहा, 'मैंने अलग-अलग इंडस्ट्री कन्नड़, तेलुगू, तमिल और हिंदी को तलाशने का विकल्प चुना है और मुझे जल्द ही मलयालम (इंडस्ट्री) में काम करने की उम्मीद है।' रश्मिका ने आगे कहा, 'मेरे फैसले मेरे अपने हैं, क्योंकि मेरी जर्नी अलग है। मैं कुर्ग से हूं। मैंने कन्नड़ से शुरुआत की और तमिल और हिंदी में आ गई। मैं अपने विकल्पों और उनसे होने वाले भविष्य की पूरी जिम्मेदारी लेती हूं।'

रश्मिका ने इंडस्ट्री में कॉम्पिटीशन को लेकर कहा, 'इसलिए मुझे ऐसा लगता है कि जैसे ही आप कॉम्पिटीशन कहते हैं, मेरा उससे लेना-देना नहीं है, क्योंकि...।' इससे पहले ही बीच में सलमान खान ने कहा, 'हर कोई अपना काम कर रहा है। कॉम्पिटीशन से ही आपका विकास होता है। आपको रोजाना खुद पर काम करना चाहिए।' 'सिकंदर' फिल्म की बात करें तो ये ईद के मौके पर 30 मार्च को रिलीज हो गई है। इसमें सलमान और रश्मिका के अलावा काजल अग्रवाल, सत्यराज, प्रतीक बब्बर और शरमन जोशी जैसे सितारे हैं। इसका निर्देशन 'गजनी' फेम एआर मुरुगादॉस ने किया है। फिल्म के पहले दिन 40 से 45 करोड़ कमाने की उम्मीद की जा रही है। इसका बजट 200 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

सलमान की फिल्म सिकंदर ऑनलाइन हुई लीक

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म सिकंदर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई। सलमान खान की फिल्म ऑनलाइन लीक होने के बाद फैंस ने प्रतिक्रिया दी है। फैंस का कहना है कि लीक होने के बाद भी ये फिल्म जमकर कमाई की है। रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म का एचडी प्रिंट ऑनलाइन लीक हुआ है। बता दें, ये पहली बार नहीं है जब कोई बड़ी फिल्म ऑनलाइन लीक हुई हो। इससे पहले भी कई फिल्में ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं। फिल्म समीक्षक कोमल नाहटा ने इस लीक की आलोचना तरते हुए एक्स हैंडल से लिखा- ₹ये किसी प्रोड्यूसर के लिए सबसे डरावना सपना होता है। थिएटर रिलीज से पहले फिल्म ऑनलाइन लीक हो जाना। दुर्भाग्यवश, साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सिकंदर के साथ बीते शाम यही हुआ।₹ कोमल ने बाताया कि प्रोड्यूसर ने अधिकारियों की मदद से पिछली रात करीब 600 साइट्स से फिल्म को हटवाया।

पापाराजी के सवाल पर भड़कीं पलक

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी को जब मुंबई एयरपोर्ट पर पापाराजी ने अनन्या पांडे कहकर पुकारना शुरू किया तो वह इरिटेट गईं। एक्ट्रेस का एयरपोर्ट से यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। उन्हें बार-बार अनन्या पांडे का जिक्र आने पर परेशान होते देखा जा सकता है। पापाराजी विरल भयानी ने यह वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है जिसमें फोटोग्राफर पहले तो एक्ट्रेस से रुकने के लिए कहता है और फिर कई बार उनके एक ही सवाल पूछता है कि आपको पलक कहें या अनन्या कहें?

शुरू में तो पलक तिवारी ने पापाराजी की बात को नजरअंदाज किया लेकिन फिर बार-बार यही सवाल पूछे जाने पर अनन्या पांडे नाराज हो जाती हैं और बोलीं, ₹हमेशा ऐसे क्यों बोलते हो आप लोग?₹ एक्ट्रेस को नाराज होता देख एक फोटोग्राफर ने उनका मूड लाइट करने के लिए उनकी अपकमिंग फिल्म 'भूतनी' से जुड़ा सवाल किया। वर्क फ्रंट पर पलक जल्द ही फिल्म भूतनी में काम करती नजर आएंगी। फिल्म की स्टार कास्ट में संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, आसिफ खान और बी-यूनिक जैसे नाम शामिल हैं। फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका ट्रेलर सलमान खान की सिकंदर के साथ 30 मार्च से थिएटर्स में दिखाया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि पलक तिवारी ने अपना बॉलीवुड डेब्यू सलमान खान की ही फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' मूवी के जरिए 2023 में किया था।

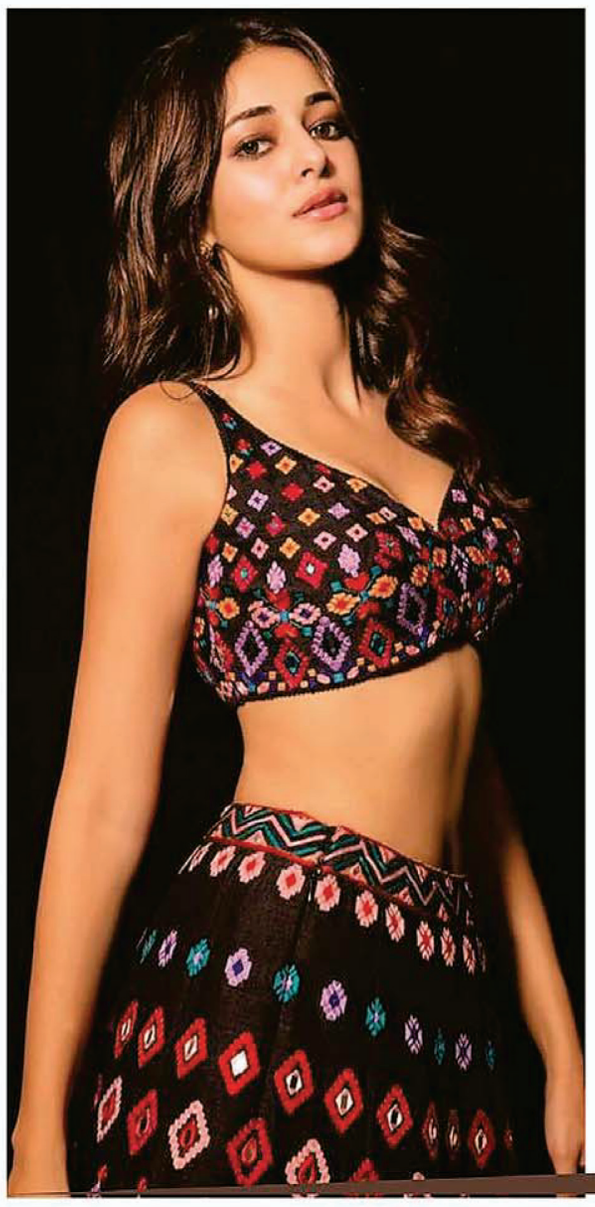

अनन्या पांडे ने रवीना की बेटी को किया इग्नोर!

अनन्या पांडे ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने लिए एक जगह बनाई है। उनके पास टॉप ब्रांड लेबल हैं और एक एक्टर के तौर पर उनके हालिया काम भी काफी तारीफ हुई है। इतना ही नहीं, अनन्या ने मुंबई में घर खरीदकर भी अपना सपना पूरा किया। वह ग्लैमर की दुनिया पर राज कर रही हैं। हाल ही में अनन्या को लैएक इवेंट में देखा गया और लोग हैरान रह गए क्योंकि उन्होंने देखा कि एक्ट्रेस ने रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को नजरअंदाज कर दिया।

हाल ही में एक इवेंट का वीडियो इंटरनेट पर सामने आया। अनन्या ग्लैमरस ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वह फैशन वीक देखने के लिए बैठने के लिए सीट ढूंढ रही थीं, तभी किसी ने उन्हें राशा के ठीक बगल वाली सीट की ओर इशारा किया। इसके अलावा क्लिप में दिखा कि अनन्या सभी से मिलीं लेकिन राशा को अनदेखा कर दिया, जिससे बाद राशा का तो मुंह ही बन गया।

जैसे ही वीडियो इंटरनेट पर आया, नेटिजंस ने खूब सारे रिएक्शन दिए। एक यूजर ने लिखा- अनन्या को किससे परेशानी नहीं है? सुहाना के साथ अपनी दोस्ती को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के अलावा। एक ने कहा- राशा का यहां साफ चेहरा दिख गया है। वह बॉलीवुड में सबसे बड़े आदमी की बेटी है और राशा ने दिखाया है कि वह बाकी नेपो के खिलाफ क्या कर सकती है। अब केवल राशा ही नेपो को खत्म कर सकती है। एक तीसरे यूजर ने लिखा- अनन्या बहुत नॉर्मल लगती है, बिल्कुल भी स्टार एनर्जी नहीं है! वह मुझे बहुत इनसिक्योर लगती है और पता नहीं क्यों।

चर्चा में नुसरत और सोहा का हॉरर अवतार

नुसरत भरूचा की साल 2021 में आई फिल्म 'छोरी' को बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म की सस्पेंस-थिलर से भरी कहानी में हॉरर भी था और ड्रामा भी। फिल्म का पहला पार्ट इतना पसंद किया गया कि अब इसका दूसरा पार्ट भी अनाउंस कर दिया गया है। नुसरत ने खुद एक सोशल मीडिया पोस्ट करके अपने फैंस और फॉलोअर्स को इस फिल्म की अगली कड़ी के बारे में बताया है। नुसरत भरूचा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ₹कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। खौफ की अभी तो बस शुरुआत हुई है।

नुसरत भरूचा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ झलकियां दिखाई हैं। फोटोज में नुसरत भरूचा तो नजर आ ही रही हैं, लेकिन इसके साथ-साथ एक तस्वीर में सोहा अली खान भी हॉरर अवतार में दिखाई पड़ रही हैं। कमेंट सेक्शन में पोस्ट पर काफी क्रेजी रिएक्शन आ रहा है। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- सोहा अली खान इंडस्ट्री में फिर से वापसी कर रही हैं। बता दें कि यह फिल्म भी ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर ही रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट 11 अप्रैल तय की है। स्टार कास्ट की बात करें तो नुसरत भरूचा और सोहा अली खान के अलावा फिल्म में गश्मीर महाजनी, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय और कुलदीप सरीन अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

'फैमिली मैन 3' में हुई इस OTT स्टार की एंट्री

मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म, दो साल पहले ही हो गई थी कास्टिंग

'द फैमली मैन' के तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब इस सीरीज में 'पाताल लोक' फेम अभिनेता भी नजर आने वाले हैं, जिसकी पुष्टि की गई है। जानिए पूरी खबर।

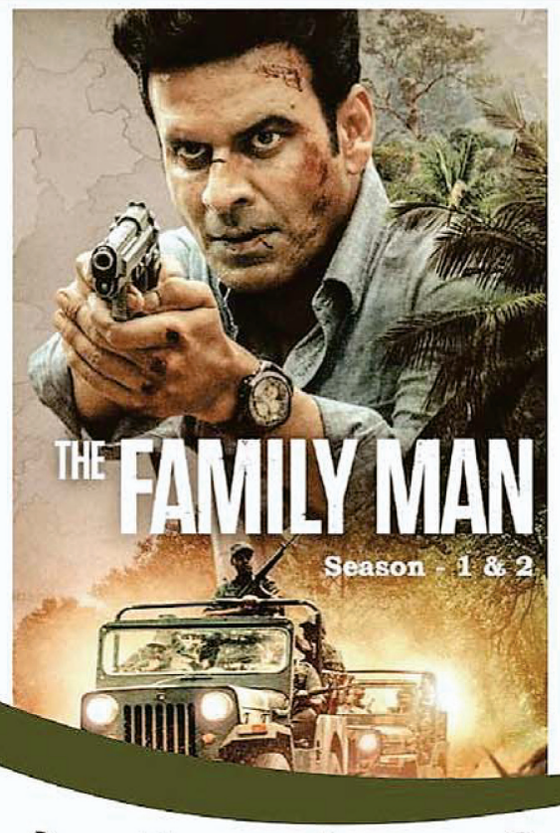

मनोज वाजपेयी ने किया खुलासा

'द फैमिली मैन' सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज वाजपेयी ने ओटीटी प्ले से बातचीत करते हुए बताया कि 'पाताल लोक' फेम अभिनेता जयदीप अहलावत 'द फैमिली मैन' के आगामी सीजन में दिखने वाले हैं। अभिनेता ने कहा कि 'पाताल लोक 2' सीजन में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले जयदीप अहलावत हमारे साथ 'द फैमिली मैन 3' में दिखेंगे। अभिनेता मनोज ने बताया है कि यह सीजन बहुत बड़ा और रोमांचक होने वाला है।

कब रिलीज हो रही सीरीज?

पिछली जानकारी के अनुसार 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को इसी साल रिलीज किया जाना है। मनोज वाजपेयी ने बताया कि इस सीरीज को इसी साल नवंबर में रिलीज किया जाएगा। इस जानकारी ने फैंस के बेसब्री को और बढ़ा दिया है। हालांकि, ऑफिशियल तारीख की अभी कोई घोषणा नहीं की गई है।

एक नजर द 'फैमिली मैन' सीरीज की ओर

वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति) सहित कई कलाकार फिर से नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। मनोज बाजपेयी के दमदार किरदार और उनके शानदार अभिनय को सीरीज में काफी पसंद किया गया था। 'द फैमिली मैन' एक एक्शन-थ्रिलर सीरीज है जिसे सुमन कुमार और राज निदिमोरु और कृष्णा डीके ने लिखा है और उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया है।

मेकर्स ने जारी किया 'पेड्डी'का नया पोस्टर

सुपरस्टार राम चरण तेजा की आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब आज उगादी के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। साथ ही फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट भी फैंस के साथ साझा की है।

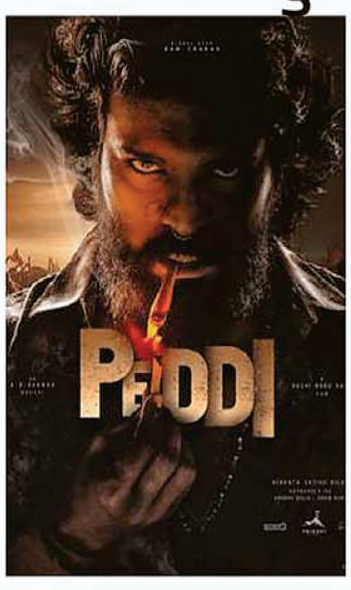

आज उगादी के शुभ अवसर पर फिल्म 'पेड्डी' के मेकर्स ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। उगादी की शुभकामनाएं देते हुए जारी हुए इस पोस्टर में राम चरण लोगों के ऊपर से छलांग लगाते दिख रहे हैं। राम चरण ऊपर हवा में हैं और नीचे कई लोग खड़े हैं। उनके हाथों में लाल रंग के झंडे भी हैं। दर्शक पहले पोस्टर की तरह फिल्म के इस नए पोस्टर को भी काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म के इस नए पोस्टर को जारी करने के साथ ही मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी एक नई अपडेट भी साझा की है। पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, "पेड्डी फर्स्ट शॉट, फिल्म की पहली झलक 6 अप्रैल को रामनवमी के मौके पर जारी की जाएगी। अब इस जानकारी के सामने आने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म को लेकर और भी बढ़ गया है। अब दर्शकों को 6 अप्रैल का इंतजार है, जिस दिन फिल्म की झलक दिखाने वाला पहला वीडियो जारी किया जाएगा।

मनीषा रानी पर फिदा हुए फैंस

मनीषा रानी तो अब सबके दिलों की रानी बन चुकी हैं, और राज कर रही हैं। हर दिन उनकी पॉपुलैरिटी का ग्राफ तेजी बढ़ रहा है। आलम यह है कि जैसे ही मनीषा अपनी तस्वीरें या डांस वीडियो शेयर करती हैं, तो वह मिनटों में ही वायरल हो जाते हैं। अब ऐसा ही उनकी लेटेस्ट तस्वीरों के साथ देखने को मिला है, जो छाई हुई हैं। फैंस भी भर-भरकर कमेंट कर रहे हैं, और एक्ट्रेस की नजर उतार रहे हैं।

मनीषा रानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हरे रंग की ड्रेस में पांच तस्वीरें शेयर की हैं। हर तस्वीर में उनका अंदाज और अदाएं एकदम निराली हैं। फैंस को मनीषा एकदम कातिलाना और काफी ग्लैमरस लग रही हैं। वो उनकी खूबसूरती पर मर मिटे हैं। मनीषा रानी की तस्वीरें कमाल की हैं। एक फैन ने लिखा है, 'हाए, मार ही डाला।' एक फैन का कमेंट है, 'क्या स्टाइल है, क्या पोज है। एकदम कमाल की खूबसूरती।' एक और कमेंट है, 'एकदम तीखी मिर्ची लग रही हो।' एक यूजर ने लिखा है, 'एक तो क्यूट और एक में क्यूट, बाकी सब काले भूत।' एक कमेंट लिखा है, 'ओह माय गॉड ये कितनी गॉर्जियस लग रही हैं। चौथी और पांचवी तस्वीर तो हद कातिलाना है।' मनीषा रानी एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, और वह 'बिग बॉस ओटीटी 2' से सुर्खियों में आई थीं। इसमें वह सेकेंड रनर-अप रही थीं। इसके बाद उन्होंने 'झलक दिखला जा 11' जीतकर सबको हैरान कर दिया था। इस शो में मनीषा रानी ने बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री की थी। हाल ही वह 'हिप हॉप इंडिया सीजन 2' को होस्ट करती नजर आईं।

रैंप वॉक करते हुए शाहिद के भाई ईशान ने उतारी शर्ट

ईशान खट्टर लैक्मे फैशन वीक के चौथे दिन शो स्टॉपर बने। इस दौरान उनके एक बोल्ड स्टेप ने सभी को चौंका दिया। दरअसल, एक्टर ने अचानक से अपनी शर्ट उतार दी, जिससे उनके 8 पैक एब्स दिखने लगे। यह देखकर सोशल मीडिया पर फैंस ने उन्हें निशाने पर भी ले लिया। कुछ ने उन्हें अटेंशन सीकर तक बता दिया। वहीं, एक ने लिखा कि सिर्फ बॉडी दिखाने से काम नहीं चलता है। रैंप पर वॉक करने के समय ईशान ने ऑरेंज कलर की प्रिंटेड शर्ट और बैगी ट्राउजर पहन रखा था। उन्होंने ऊपर से उन्होंने एक उसी कलर की जैकेट डाल रखी थी। इस दौरान ईशान ने अपनी शर्ट के बटन खोलते हुए उसे निकाल दिया और कंपनी के प्रोडक्ट को अपने बॉडी पर यूज करते हुए दिखाई दिए। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स ने शर्ट निकालने पर ईशान की तारीफ के बजाए उनपर निशाना साधना शुरू कर दिया। इंस्टाग्राम पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा कि बॉडी दिखाने से काम नहीं बनता, बल्कि शक्ल भी होनी चाहिए। एक और यूजर ने लिखा कि वॉक के लिए एक्टर को अपने कपड़े निकालने की क्या जरूरत पड़ गई। हालांकि, कुछ यूजर्स उनकी तारीफ भी करते नजर आए। एक यूजर ने लिखा कि काफी हैंडसम और क्यूट हैं। कई ने फायर वाले इमोजीस भी बनाए। इसके अलावा, एक यूजर ने एक्टर के लिए यह तक कह दिया कि इन्हें वॉक करना तक नहीं आता है।

धार्मिक आक्रोश : जॉय स्कूल स्कूल में तोड़फोड़

संचालक अखिलेश मेबन का विवादित व्हाट्सएप स्टेटस

जबलपुर में सोशल मीडिया पर बवाल, भड़के हिंदूवादी संगठन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर के विजयनगर स्थित जॉय स्कूल के संचालक अखिलेश मेंबन के खिलाफ हिंदू संगठनों का आक्रोश फूट पड़ा। अखिलेश मेंबन ने बीते दिन अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने हिंदू धर्म और भगवान राम को लेकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। इस स्टेटस के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। विरोध में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल समेत अन्य हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को सुबह विजयनगर स्थित जॉय स्कूल का घेराव किया। आक्रोशित भीड़ ने जमकर नारेबाजी की और स्कूल परिसर में तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह हिंदू धर्म का घोर अपमान है और ऐसे कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थिति को देखते हुए प्रशासन तुरंत हरकत में आया। मौके पर विजय नगर, माढ़ोताल और गोहलपुर तीनों थाना अधिकारी समेत भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने स्कूल में तोड़फोड़ कर दी। हालांकि, पुलिस ने जल्द ही हालात को काबू में कर लिया।

सराफा व्यापारी से ठगी:यूपी के ठगों को रांझी पुलिस ने पकड़ा; मां-बेटा बन दुकान में बदलते थे नकली सोना

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सतना के 5 सराफा व्यापारियों से लाखों रुपए की ठगी करने के बाद जबलपुर पहुंचे तीन ठगों को रांझी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी बदमाश यूपी के मथुरा और नोएडा के रहने वाले है। गिरोह में दो युवक और एक महिला शामिल है। ठग 27 मार्च को सतना के पांच व्यापारियों को नकली जेवरात देकर करीब साढ़े सात लाख रुपए के असली जेवर लेकर फरार हो गए थे। इसके बाद सतना से मैहर, कटनी होते हुए ये तीनों ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर जबलपुर के रांझी पहुंचे। यहां भी एक सराफा कारोबारियों को निशाना बनाने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही रांझी सीएसपी के साथ मौजूद पुलिस टीम ने एक महिला सहित तीन ठगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्त में आए ठगों को का नाम जगदीश गौतम, संदीप गौतम निवासी मथुरा और अल्का शर्मा निवासी नोएडा है। पूछताछ में पता चला कि कुछ दिनों पहले इन लोगों ने शहर के लार्डगंज थाना अंतर्गत एक सराफा व्यापारी के साथ भी ठगी की थी।

रेल अधिकारी की पत्नी-बेटा बनकर पहुंचे

27 मार्च की शाम को सतना के संस्कार आनार्मेंट्स के संचालक जनार्दन सोनी अपने शोरुम में बैठे हुए थे। इस दौरान एक महिला और युवक उनके पास पहुंचे। महिला ने खुद को रेल अधिकारी की पत्नी और बेटा बताया। इसके बाद युवक ने 18 ग्राम सोने के 2 झुमके दिए और कहा कि इसके बदले में एक चैन दिखा दो। मां-बेटे बनकर सराफा व्यापारी के पास पहुंचे दोनों ठगों ने 12.6 ग्राम सोने की चेन पसंद की, वजन कराया तो उनके द्वारा दिए गए झुमके से कम निकली। बाद में सौदा यह तय हुआ कि झुमके के बदले चैन दे दिया जाए। सराफा व्यापारी ने पारस पत्थर और मशीन में झुमके चेक किए तो सही पाए गए। कुछ देर बात जब शोरूम में कारीगर आया और सोने को आग में गर्म किया तो पता चला कि इस झुमके में सिर्फ 25 प्रतिशत ही सोना है, बाकी दूसरी धातु है। व्यापारी को सच पता चलने से पहले ठग मौके से फरार हो चुके थे।

एक दिन में पांच व्यापारियों को ठगा

संदीप गौतम, जगदीश गौतम और अल्का शर्मा ने जिस तरह से सराफा व्यापारी जनार्दन सोनी को ठगा था, ठीक उसी तरह एक ही दिन में सतना के चार अन्य सराफा व्यापारी के साथ भी ठगी की थी। सतना के ही अंकित सोनी ने एक तोले की चूड़ियों के बदले इतने ही वजन के गहने उन्हें दिए थे। ठगों से मिली चूड़ी को जब सराफा व्यापारी ने चेक किया तो उसमें से सिर्फ 35 प्रतिशत ही सोना निकला।

सतना से फरार होकर जबलपुर पहुंचे

सतना में पांच सराफा व्यापारियों को ठगने के बाद तीनों ठग ब्लैक स्कॉर्पियो से मैहर, कटनी होते हुए जबलपुर पहुंचे। सतना की जिन दुकानों से उन्होंने ठगी की थी वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में इनकी तस्वीर कैद हुई थी। ठगी के बात सामने आने के कुछ देर में ठग महिला और युवक की फोटो सतना सहित मैहर, कटनी और जबलपुर के थानों तक पहुंच गई। पुलिस मुखबिर के जरिए इन ठगों की तलाश में जुटी हुई थी। 30 मार्च की शाम रांझी पुलिस ने ठगो को गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर की सूचना पर सीएसपी सतीश साहू ने थाना प्रभारी मानस द्विवेदी के साथ प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम अहिरवार, प्रदीप तिवारी, आरक्षक अर्पित सिंह, मनीष और अभिषेक के साथ रांझी रोड में खड़ी एक ब्लैक स्कॉर्पियो के पास पहुंचे तो उसमे जगदीश गौतम नाम का शख्स बैठा हुआ था। पूछताछ में उसने बताया कि अल्का शर्मा और संदीप आगे ज्वेलर्स की शॉप में गए है। पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए दोनों को हिरासत में लिया और फिर तीनों को पकड़कर थाने ले आई। तीनों ही ठगों ने दो दिन पहले लार्डगंज थाना स्थित एक ज्वेलर्स के शॉप में भी जाकर ठगी की थी, लिहाजा तीनों ही आरोपियों को लार्डगंज थाना पुलिस को सौंप दिया गया है।

ईसाई धर्मगुरुओं के साथ अभद्रता

ईसाई समाज के करीब डेढ़ हजार लोगों ने किया एस पी कार्यालय का घेराव

अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर मे मंगलवार को लगभग डेढ़ हजार इसाई समाज के लोगों ने एसपी कार्यालय का घेराव कर अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।
समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि सोमवार को मंडला से जबलपुर आये ईसाई समुदाय के तीर्थ यात्री भक्तों को जिसमे महिलाएं एवं बच्चे भी थे बो सभी जबलपुर मैं प्राथना करने हेतु आये थे। परंतु कुछ लोगो द्वारा उन सभी भक्तो को अनावश्यक रूप से रोक कर उनको डराया धमकाया गया। इस घटना के बाद जब ईसाई धर्म के प्रमुख धर्मगुरू रांझी थाने मैं उनको देखने गए तो कुछ लोग रांझी थाने के परिसर मे ईसाई धर्मगुरुओं को जान से मारने के इरादे से उनके साथ मार पीट की एवं उन्हें अपमानित किया गया। ये सारी अपमानजनक घटना रांझी थाने के परिसर मे हुई। जिसका पूरा वीडियो पूरे जबलपुर प्रशासन ने देखा है तथा इस अपमान जनक वीडियो को वायरल भी किया गया है। जो ईसाई समुदाय को ठेस पहुंचाने एवम अपमानित करने की मंशा रखता है परन्तु किसी भी ईसाई धार्मिक गुरुओ को इन लोगो को मारने से रांझी पुलिस ने नही बचाया । इस पर नाराज आज ईसाई समाज ने जबलपुर के पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय को ज्ञापन देकर घटना मे शामिल लोगो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। ईसाई समुदाय को पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने आश्वासन दिया कि जल्द 24 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा ।

मदन महल स्टेशन पर कुत्तों की फौज से यात्रियों में दहशत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

यूं तो शहर में जगह-जगह आवारा कुत्तों के झुंड देखने को मिल जाएंगे वही मदन महल रेलवे स्टेशन में इन दिनों कुत्तों का जबरदस्त आतंक फैला हुआ है। इनके भौंकने की आवाज से यात्री दहशत में आ जाते हैं कभी-कभी तो यह काटने में भी चूकते हैं। इनके झुंड जब स्टेशन में चलते हैं तो यात्री अपने को सुरक्षित करने के लिए इधर-उधर भागते नजर आते हैं। वहीं जानकारी के मुताबिक स्टेशन में फेंका गया जूठन खाने के लिए आवारा कुत्तो की भीड़ बढ़ती जा रही है। जिनको स्टेशन से अलग करने का साहस कोई नहीं जुटा पा का रहा है। यह आवारा कुत्ते स्टेशन में अधिकांश ठंडी जगह पर रहते हैं। वाटर कूलर व नलों के आसपास कब्जा बना कर जहां आराम फरमाते हैं वही मौका मिलते ही यात्रियों के हाथ से भोजन भी छीन लेते हैं। ये जूठन खाने के लिए झगड़ते हैं। उनके झगड़े में यात्रियों को खतरा बना रहता है। इनके सामने यात्री प्लेटफार्म पर खाना तक नहीं खा सकते क्योंकि इनकी नजर खाने पर ही रहती है। यह आवारा कुत्ते प्लेटफार्म पर गंदगी फैला रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर कुत्तों की अधिकता से लोगों को खतरा भी बना रहता है।

प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत

जबलपुर के सरकारी स्कूलों में प्रवेश उत्सव, सीएम ने वर्चुअली संबोधित किया

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश में 2025 का नया शैक्षणिक सत्र आज से शुरू हो गया है। इस अवसर पर सरकारी स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया। जबलपुर के शासकीय मॉडल स्कूल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम में बच्चों का स्वागत किया गया और उन्हें किताबें प्रदान की गईं। प्रदेश सरकार हर साल 'स्कूल चलें हम' अभियान के तहत प्रवेश उत्सव का आयोजन करती है। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों में बच्चों की रुचि बढ़ाना है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बच्चों में पढ़ाई को लेकर तनाव की स्थिति देखी जा रही है। कार्यक्रम में शिक्षकों को निर्देश दिए गए कि वे बच्चों को अपने बच्चों की तरह पढ़ाएं। इससे विद्यार्थियों में पढ़ाई को लेकर तनाव कम होगा और वे शिक्षा का आनंद ले सकेंगे। सरकार का मानना है कि शिक्षित समाज से ही प्रदेश और देश का विकास संभव है।

पान टपरा संचालक को बेरहमी से पीटा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गढ़ा थानांतर्गत मेडिकल कॉलेज गेट के सामने पान टपरा का संचालन करने वाले युवक को दो बदमाशों ने पहले तो बेरहमी से पीटा फिर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि लाल बिल्डिंग संजीवनी नगर में रहने वाले नितिन चौरसिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मेडिकल कॉलेज गेट के सामने पान की दुकान चलाकर अपना जीवन यापन करता है। वह पान की दुकान पर काम कर ही रहा था कि तभी वहां आशीष कोरी और वीरु गोस्वामी आए और उससे शराब पीने के लिए 1 हजार रुपए मांगने लगे। नितिन ने जब रुपए देने से इंकार किया तो दोनों ने पहले तो जमकर उसे गाली दी फिर हाथ-घूसों से पीट दिया। घटना के बाद नितिन दहशत में है और दुकान खोलने में डर रहा है।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आकस्मिक चिकित्सा | सभी विभागों में भर्ती | एम्बुलेंस तथा दवाईयां | पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आस्थित रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रस्तूति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन, कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग ●बर्न यूनिट ●हॉर्ट अटैक ●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

मौसम के बदलते मिजाज से बढ़ी किसानों की चिंता

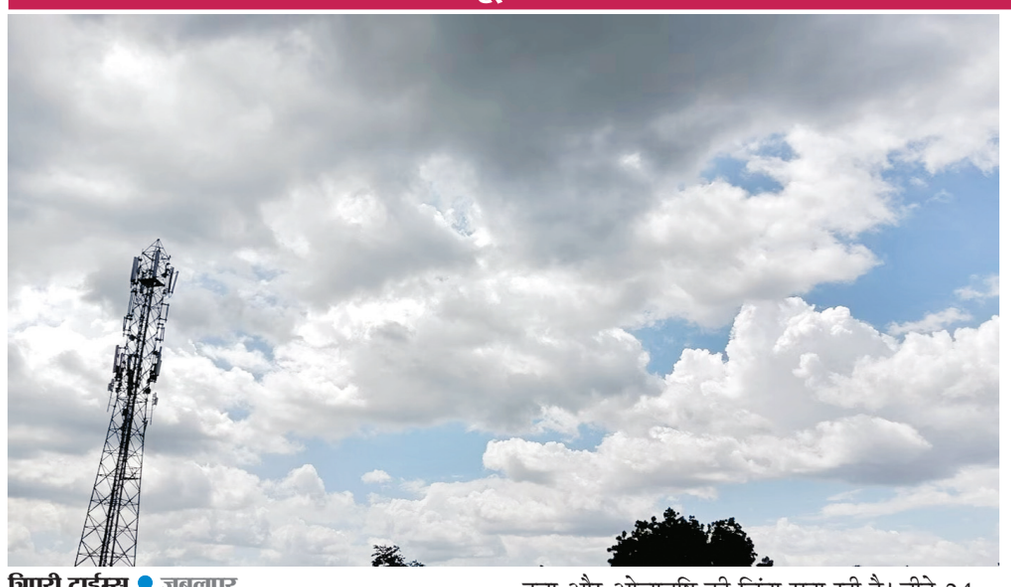

गेहूं की कटाई का कार्य भी तेजी से शुरू

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आसमान में बार-बार छाने वाले बादल किसानों के दिल की धड़कन बढ़ाने का काम कर रहे हैं। मंगलवार सुबह कुछ स्थानों में आसमान में बादल छाए रहे। मौसम के करवटें बदलने से किसान काफी चिंतित नजर आ रहे है। किसानों को आंशिक बारिश, तेज हवा और ओलावृष्टि की चिंता सता रही है। बीते 24 घंटे से बादल छाने का क्रम निरंतर चल रहा है। अप्रैल माह में मौसम बदलने से गर्मी का असर कुछ समय के लिए कम हो रहा है। जानकारों का कहना है कि पहले और दूसरे सप्ताह में मौसम बिगड़ सकता है। आसमान में बादल छाने के साथ ही बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है।

चारों तरफ कटाई का कार्य तेज

मौसम को देखते हुए किसानों ने सरसों,मसूर और चना की कटाई का कार्य लगभग पूरा कर लिया है। कुछ खेतों में ही पछेती के चना की कटाई शेष है। मझौली-पाटन, सिहोरा और शहपुरा क्षेत्र में गेहूं की कटाई का कार्य भी तेजी से शुरू हो गया है। अभी तक मौसम किसानों पर मेहरबान बना रहा है, इस साल फसलों में बहुत बड़ा कोई नुकसान नहीं हुआ है। अगर कुछ दिन मौसम साफ रहता है तो किसान गेहूं की कटाई का कार्य भी जल्द पूरा कर लेंगे। गेहूं की कटाई का कार्य जिले के सभी इलाकों में तेजी से चल रहा है इस समय मौसम में बार- बार बदलाव किसानों को काफी परेशान कर रहा है। अगर तेज बरसात या हवा चली तो गेहूं की फसल चपेट में आ सकती है।

चमक पर पड़ेगा असर

इस समय क्षेत्र के किसान रबी की फसल को लेकर खेत- खलिहानों में व्यस्त हैं। चना, धना की कटाई और गाहनी का काम चल रहा है। अधिकांश खेतों में पकी व कटी फसल समेटने के काम में किसान व्यस्त है। लेकिन मौसम के मिजाज में बदलाव को देखते हुए किसानों के माथे पर चिंता की लकीर उभर आई है। इस समय बारिश हुई तो गेहूं की चमक पर असर पड़ेगा।

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
प्रवेश प्रारंभ
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631 Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
⇨ 9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
⇨ 10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शाम:4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com